ज्ञानामृत

केवल प्रकाश का अभाव ही अंधकार नहीं, प्रकाश की अति भी मनुष्य की आँखों के लिए अंधकार है।

स्वामी रामतीर्थ

राष्ट्र को समर्पित

विजय मत

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, सोमवार, 16 फरवरी 2026 | वर्ष- 11 | अंक- 68 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

मुख्यमंत्री ने मनीष सिंह को ही पुनः जनसम्पर्क आयुक्त क्यों बनाया?

विजय शुक्ला, भोपाल

खास खबर
विजय मत

राज्य सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर व्यापक फेरबदल करते हुए कई आईएएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारियाँ सौंपी हैं। इस कदम को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर अहम माना जा रहा है। क्योंकि वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले 2027 में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की कड़ी परीक्षा से मोहन सरकार को गुजरना पड़ेगा। इस लिहाज से सरकार के सामने जनता में अपनी लोकप्रियता बढाने पर खास ध्यान देने की आवश्यकता होगी। इन्ही तमाम विषयों को देखते हुए मुख्यमंत्री नए सिरे से प्रशासनिक अधिकारियों की पदस्थापना में गहरी रुचि लेने लगे हैं। दो वर्षों में अच्छी परफार्मेंस देने वाले आईएएस और आईपीएस अफसरों को महत्वपूर्ण भूमिका में लाया जा रहा है जबकि अच्छा न कर पाने वालों की जगह नए अफसरों को मौका दिया जाएगा। बता दें मुख्य सचिव अनुराग जैन को सेवावृद्धि पहले ही दिलाई जा चुकी है और अब मुख्यमंत्री ने जनता से सीधा ताल्लूक रखने वाले जनसम्पर्क विभाग में कमिश्नर पद से दीपक सक्सेना को हटाने का निर्णय लेकर अनुभवी अफसर मनीष सिंह को पुनः पदस्थापित किया है। मप्र कैडर के 2009 बैच के आईएएस मनीष सिंह 2023 से 2024 तक इस पद पर पहले भी रहे हैं। उन्हें विभाग को चलाने एवं परिणाममूलक बनाने का गहरा तजुर्बा है। वे प्रशासनिक दक्षता और कड़े फैसलों के लिए जाने जाते हैं। मोहन सरकार का चेहरा चमकाने की जिम्मेदारी अब उनके पास होगी।

मनीष सिंह ही क्यों?

जनसम्पर्क आयुक्त का मुख्य कार्य जनमानस में सरकार की छवि को चमकाने एवं मीडिया से बेहतर समन्वय बनाकर चलने का होता है। यह काम सुदाम खाड़े और संदीप यादव ने अच्छे ढंग से किया लेकिन दीपक सक्सेना ऐसा कर पाने में असहज लगे। अंततः मुख्यमंत्री ने इस विभाग में पहले आयुक्त रह चुके वरिष्ठ आईएएस अफसर मनीष सिंह को इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए चुना है। यहां प्रश्न उठता है कि किसी नए अफसर को लाने की बजाय मुख्यमंत्री मोहन यादव ने वरिष्ठ अधिकारी मनीष सिंह को ही पुनः जनसम्पर्क आयुक्त क्यों बनाया? जबकि कई काबिल अफसर शासन में मौजूद हैं। तो आइए इसे सिलसिलेवार तरीके से समझने की कोशिश करते हैं। मनीष सिंह ही आयुक्त क्यों, तो इस प्रश्न का एक लाइन में सीधा उत्तर यह है चूंकि मप्र विधानसभा चुनाव दो साल बाद होने हैं इसलिए मुख्यमंत्री अब कोई नया प्रयोग नहीं करना चाहते। इसलिए वे एक काबिल अनुभवी और मीडिया प्रबंधन में निपुण अफसर मनीष सिंह को लेकर आये हैं। वे पहले भी इस पद को बखूबी संभाल चुके हैं। इस नाते उनकी परफार्मेंस रिपोर्ट ने मुख्यमंत्री को प्रभावित किया है। वैसे भी देखा जाए तो मनीष सिंह अभी तक जिन विभागों में रहे हैं वहां उनकी परफॉर्मेंस सौ टंच खरी रही है। विशेष रूप से इंदौर नगर निगम कमिश्नर रहते स्वच्छता रैंकिंग में इंदौर को देश में नम्बर वन बनाने का रिकॉर्ड उनके नाम है। 2023 विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनवाने में बतौर जनसम्पर्क आयुक्त उनकी भूमिका उल्लेखनीय रही। उनकी प्रशासनिक दक्षता कमाल की मानी जाती है। मीडिया जगत से अच्छे रिश्ते हैं। जिसे निभाने की कला में वे पारंगत हैं। अब मुख्यमंत्री मोहन यादव की कसौटी पर खरा उतरने की चुनौतियों भरी जिम्मेदारी होगी। दरअसल, जनसंपर्क विभाग मुख्यतः मुख्यमंत्री, जनता और मीडिया के बीच समन्वय स्थापित करने वाला एक अहम विभाग होता है। समाचार पत्र के मालिकों एवं पत्रकारों से तालमेल बनाकर चलना एक चुनौती भरा कार्य होता है। क्योंकि मीडिया किसी भी सरकार की छवि को बनाने और मिटाने की बड़ी कड़ी होता है। दोनों ही मामलों में मनीष सिंह काफी निपुण हैं। पिछले दो साल से मुख्यमंत्री मोहन यादव जनसम्पर्क आयुक्त पद पर अपनी पसंद के अफसर लेकर अवश्य आये लेकिन असंतुष्ट रहे। लगातार किये गए परिवर्तनों से जनसंपर्क विभाग के मातहत कर्मचारी अधिकारियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। उनकी निष्ठा पर प्रश्नचिन्ह उठाये गए। कईयों को इधर से उधर किया गया।

दीपक सक्सेना क्यों हटाए गए?

2010 बैच के आईएएस दीपक सक्सेना जो जबलपुर कलेक्टर थे उन्हें 11 सितम्बर 2025 में जनसम्पर्क आयुक्त बनाकर भोपाल लाया गया। लेकिन मुख्यमंत्री की मंशानुरूप रिजल्ट नहीं दे पा रहे थे। खबर तो ऐसी भी है कि खुद सक्सेना ने इस पद से मुक्त करने की इच्छा मुख्यमंत्री के समक्ष जाहिर की। अतः मुख्यमंत्री को तीसरी बार जनसम्पर्क विभाग में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। सक्सेना से पहले वरिष्ठ आईएएस संदीप यादव और सुदाम खाड़े जनसम्पर्क कमिश्नर बनाये गए लेकिन उन्होंने भी इस पद पर कार्य न करने की इच्छा जताई थी। जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारी संदीप यादव को प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा और सुदाम खाड़े को इंदौर कमिश्नर बनाया गया। इसके अलावा डायरेक्टर पद पर पहले आईएएस रोशन सिंह को लाया गया जो जल्द उज्जैन कलेक्टर बना दिए गए। उनकी जगह एक और आईएएस अंशुल गुप्ता को भेजा गया लेकिन थोडे समय बाद उनकी पदस्थापना विदिशा कलेक्टर के रूप में कर दी गई। इनके बाद आयुक्त पद पर दीपक सक्सेना लाये गए। और वे भी अब चले गए। हर अफसर के साथ एक ही तरह की समस्या यानी अरुचि नजर आई।

प्रिंट मीडिया की भूमिका अहम रहेगी

मीडिया खुश रहे यह हर सरकार की कोशिश होती है। इसलिए मीडिया के विज्ञापनों के लिए सरकार बजट में प्रावधान करती है। एआई और डीपफेक जैसे सोशल प्लेटफार्म की गिरती विश्वनीयता को देखते हुए प्रिंट मीडिया यानी अखबारों की भूमिका अब हर तरह के चुनावों में बड़ी खास हो गई है। इसलिए इसे साधकर चलना होगा। जिले से प्रकाशित अखबारों पर सरकार को विशेष फोकस करके चलना चाहिए। क्योंकि ग्रामीण अंचलों में इनकी पकड़ ज्यादा असरदार होती है। इसके दो प्रमुख कारण हैं। पहला ज़्यादातर मध्यम अखबार के दाम सस्ते होने से लोग इन्हें आसानी से ख़रीद लेते हैं। जनसम्पर्क विभाग की स्थापना इस उद्देश्य से हुई है कि सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार प्रभावी तरीके से किया जाए। जाहिर है अखबार इसका सबसे भरोसेमंद विकल्प है। विपक्ष ने भले ही पूर्ववर्ती शिवराज सरकार को विज्ञापन वाली सरकार कहा लेकिन यह भी सच है कि उन्ही विज्ञापनों के प्रचार प्रसार की बदौलत भाजपा दशकों से मप्र की सत्ता पर काबिज है। सरकार कितना भी अच्छा काम करे जब तक अखबारों में उसका प्रचार-प्रसार नहीं किया जाएगा लोगों को उसका पता कैसे चलेगा। कहते हैं दीपक सक्सेना ने विज्ञापनों के बजट में कटौती करने की सोच अपनाई। जिससे सरकार का प्रचार-प्रसार घटने लगा उल्टा खूफिया तौर पर निगेटिव रिपोर्ट आने लगी। बताते हैं कि विज्ञापन की जगह इम्पेक्ट फीचर विज्ञापन छपवाने की बात अखबारों को नागवार लगी। सूत्रों की माने तो भाजपा संगठन के सुझावों को दीपक सक्सेना कम तरजीह देते थे इसकी शिकायत भी मुख्यमंत्री तक पहुंचाई गई। क्योंकि सत्ताधारी दल भाजपा संगठन में मीडिया प्रभारी के सुझाव जनसम्पर्क विभाग के लिए अहमियत रखते हैं। अंततः चारो ओर से मिल रही नाराजगी को देखते हुए मुख्यमंत्री को नया जनसम्पर्क आयुक्त लाने को विवश होना पड़ा। स्वास्थ्य विभाग की कमान एसीएस अशोक वर्णवाल संभालेंगे। सहकारिता क्षेत्र में अभिजीत अग्रवाल को मार्कफेड का प्रबंध संचालक नियुक्त किया गया है। राजभवन से वापस बुलाए गए उमाशंकर भार्गव को कृषि विभाग में अहम जिम्मेदारी दी गई है, जिसे कृषि सुधार और उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ऊर्जा क्षेत्र में अजय गुप्ता को जबलपुर विद्युत कंपनी का नया प्रबंध निदेशक बनाया गया है। इसके अलावा, लंबे समय से रिक्त पड़े जिला पंचायतों के सीईओ पदों पर भी पदस्थापना की गई है, जिससे जमीनी स्तर पर विकास कार्यों में गति आने की उम्मीद है। सूत्रों की माने तो प्रदेश में एसआईआर का कार्य समाप्त होने के बाद कई जिलों के कलेक्टर भी बदले जा सकते है। संभव है अगले कुछ दिनों में प्रशासनिक फेरबदल की नई लिस्ट और आये।

चुनावों में अखबारों की निर्णायक भूमिका बढ़ेगी, एआई ने घटाई इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया की साख

डबरा में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में बोले मुख्यमंत्री... यह धाम आस्था और प्रेरणा का केंद्र बनेगा

युवा शक्ति समाजहित में हो समर्पितः सीएम मोहन

विजय मत, ब्यूरो डबरा/ग्वालियर

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर ग्वालियर जिले के डबरा स्थित नवग्रह शक्तिपीठ परिसर 'ओम नमः शिवाय' के जयघोष से गूंज उठा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नवग्रह शक्तिपीठ के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में सहभागिता कर विधिवत दर्शन किए और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबरा में निर्मित यह नवग्रह शक्तिपीठ एक अद्भुत और प्रेरणादायी धाम है। उन्होंने मध्यप्रदेश सरकार की ओर से सभी श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर शक्तिपीठ में उपस्थित होना उनके लिए सौभाग्य का विषय है।

पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने समारोह में मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों का स्वागत किया तथा साफा और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में कथा वाचन के माध्यम से कुमार विश्वास ने पौराणिक प्रसंगों का वर्णन किया। समारोह में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, सांसद विष्णुदत्त शर्मा सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महाशिवरात्रि के इस आयोजन ने डबरा को आस्था और सांस्कृतिक उत्साह से सराबोर कर दिया।

यह संकल्प समाज को नई दिशा देगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा द्वारा इस नवग्रह शक्तिपीठ का निर्माण कर एक प्रेरणादायी संकल्प को साकार किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक केंद्र समाज को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं। मुख्यमंत्री ने प्रख्यात कवि कुमार विश्वास का अभिनंदन करते हुए कहा कि उन पर मां सरस्वती की विशेष कृपा है और वे अपने विचारों से समाज को प्रेरित कर रहे हैं।

रामराज्य का स्वप्न साहस और आदर्श का प्रतीकः मोहन

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम के वनवास प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि समृद्ध राज्य छोड़कर संसाधनों के अभाव में भी दो राजकुमारों द्वारा रामराज्य का स्वप्न देखना साहस, धैर्य और आदर्श का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान राम द्वारा स्वयंवर के समय विराट स्वरूप के दर्शन कराना युवा शक्ति के समाजहित में उपयोग की दृष्टि से अध्ययन का विषय है।

ट्रेड डील पर बोले राहुल- देश के किसानों के साथ नहीं होना चाहिए विश्वासघात

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पांच अहम सवाल पूछे। उन्होंने आरोप लगाया कि इस समझौते के नाम पर भारतीय किसानों के हितों से समझौता किया जा रहा है। गांधी ने कहा कि यह केवल वर्तमान का नहीं, बल्कि देश की कृषि के भविष्य का प्रश्न है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने पूछा कि ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स (डीडीजी) के आयात का क्या अर्थ है। क्या भारतीय पशुओं को जीएम अमेरिकी मक्का से बने चारे पर निर्भर किया जाएगा और क्या इससे डेयरी क्षेत्र अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर हो जाएगा? उन्होंने जीएम सोया तेल के संभावित आयात पर भी सवाल उठाया और कहा कि इससे मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान सहित देशभर के सोया किसानों पर कीमतों का दबाव बढ़ेगा। गांधी ने 'अतिरिक्त उत्पाद' और 'गैर-व्यापार बाधाएं हटाने' जैसे शब्दों की स्पष्टता मांगी। उन्होंने आशंका जताई कि भविष्य में दालों और अन्य फसलों के आयात का दबाव बढ़ सकता है तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य और खरीद व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

किसानों को गुमराह करना बंद करें राहुल किसी भी मंच पर बहस को तैयारः शाह

गांधीनगर, एजेंसी

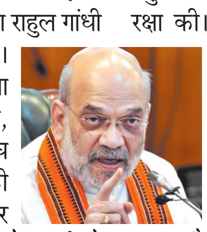

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ भारत की प्रस्तावित व्यापार संधियों को लेकर झूठ फैला रहे हैं और किसानों को भ्रमित कर रहे हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि राहुल किसी भी मंच का चयन कर लें, भारतीय जनता पार्टी का युवा मोर्चा भी इस मुद्दे पर उनसे खुली बहस के लिए तैयार है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किस सरकार ने किसानों को नुकसान पहुंचाया और किसने उनके हितों की रक्षा की। कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताते हुए शाह ने कहा कि 2014 के बाद सरकार ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जिससे किसानों को हानि हो। हर अंतरराष्ट्रीय समझौते में कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने किसानों, पशुपालकों और मछुआरों को आश्वस्त किया कि सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी व्यापार समझौते में देश के कृषि हितों से समझौता नहीं किया जाएगा।

एपस्टीन की मौत पर फिर उठे सवाल

फॉरेंसिक विशेषज्ञ का दावा... आत्महत्या नहीं, गला दबाकर हत्या; पुनः जांच की मांग

न्यूयॉर्क, एजेंसी। वर्ष 2019 में न्यूयॉर्क की जेल में हुई जेफ्री एपस्टीन की मौत एक बार फिर विवादों में घिर गई है। यौन अपराधों के आरोपों में गिरफ्तार एपस्टीन की मौत को आधिकारिक रूप से आत्महत्या बताया गया था, लेकिन पोस्टमार्टम के दौरान मौजूद रहे फॉरेंसिक विशेषज्ञ डॉ. माइकल बैडेन ने इस निष्कर्ष पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। ब्रिटिश समाचारपत्र को दिए साक्षात्कार में डॉ. बैडेन ने कहा कि उपलब्ध चिकित्सकीय तथ्यों के आधार पर मौत के कारण और तरीके की दोबारा जांच होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि एपस्टीन की गर्दन में हायॉइड हड्डी और थायरॉयड कार्टिलेज सहित तीन फ्रैक्चर पाए गए थे। उनके अनुसार, 50 वर्षों के अनुभव में उन्होंने फांसी के आत्महत्या मामलों में इस प्रकार के तीन फ्रैक्चर एक साथ कम ही देखे हैं।

सीधी में महाशिवरात्रि के दिन पुजारी की निर्मम हत्या, बका से किए आठ वार

ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया

विजय मत, ब्यूरो सीधी। जिले के कुसमी क्षेत्र में रविवार सुबह महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। तहसील परिसर स्थित हनुमान मंदिर के 75 वर्षीय पुजारी इन्द्रभान द्विवेदी की बका से हमला कर हत्या कर दी गई। घटना सुबह करीब 8 बजे की है, जब वे पूजा-अर्चना के बाद मोपेड से अपने घर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावर ने अचानक चलती मोपेड पर हमला किया, जिससे द्विवेदी गिर पड़े। इसके बाद आरोपी लाला केवट (55) ने उनकी छाती पर पैर रखकर गर्दन पर बके से ताबड़तोड़ वार किए। बताया जा रहा है कि आरोपी ने सीने और गले पर कुल आठ वार किए। पुजारी गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही तड़पते रहे और कुछ ही देर में उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद आरोपी भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन आसपास मौजूद ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर थाने लाई। उससे पूछताछ की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है और वह पहले भी विवादों में रह चुका है। इधर, मृतक के परिचितों ने बताया कि पुजारी की किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तारिक रहमान कल लेंगे बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद की शपथ, समारोह में ओम बिरला करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली/ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की ओर से ओम बिरला शामिल होंगे। यह जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है। समारोह 17 फरवरी 2026 को ढाका में आयोजित होगा। पहले यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बांग्लादेश जा सकते हैं। हालांकि, भारत में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट और अन्य पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के चलते उनका दौरा संभव नहीं हो सका। 17 फरवरी को ही प्रधानमंत्री मोदी की मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक निर्धारित है।

विदेश मंत्रालय ने की पुष्टि

विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि लोकसभा अध्यक्ष की उपस्थिति भारत और बांग्लादेश के बीच गहरी मित्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बयान में यह भी उल्लेख किया गया कि भारत, बांग्लादेश में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेतृत्व में बनी नई सरकार का स्वागत करता है। तारिक रहमान को हालिया आम चुनाव में व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ है। समारोह में कई अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। भारत की ओर से यह प्रतिनिधित्व द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अमेरिका से परमाणु समझौते पर बातचीत के लिए ईरान तैयार

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अमेरिका के साथ परमाणु समझौते को लेकर बातचीत करने की इच्छा जताई है। ईरान के उप विदेश मंत्री मजीद तख्त-रवांची ने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर अमेरिका प्रतिबंध हटाने पर बात करने को तैयार है, तो हम अपने परमाणु कार्यक्रम से जुड़े कई मुद्दों पर समझौता करने के लिए तैयार है। दोनों देशों के बीच बातचीत का अगला दौर मंगलवार को जिनेवा में होने वाला है। वहीं अमेरिकी अधिकारी बार-बार कहते रहे हैं कि परमाणु वार्ता में प्रगति रुकने की वजह ईरान है, न कि अमेरिका।

महाशिवरात्रि पर घोषणा... 22 अप्रैल से शुरू होगी चारधाम यात्रा

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के पवित्र धामों की यात्रा का इंतजार अब खत्म होने वाला है। पांचवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल 2026 को विधिवत रूप से खुलेंगे। यह तिथि महाशिवरात्रि के दिन पंचकेदार ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ में विधि-विधान और पंचांग गणना के अनुसार तय की गई। इसी दिन से चारधाम यात्रा 2026 का आधिकारिक आगाज होगा। केदारनाथ, 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है और चारधाम यात्रा व पंच केदार यात्रा का अहम हिस्सा है। भगवान शिव यहाँ ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान हैं।

भारत की तेल कंपनियां अपने सर्वोत्तम हित के आधार पर लेंगी फैसलेः जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

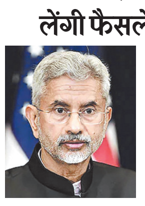

रूसी तेल आयात कम करने की प्रतिबद्धता वाले दावे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता की नीति के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है और ऊर्जा खरीद पर फैसला राजनीतिक दबाव के बजाय लागत, जोखिम और उपलब्धता द्वारा निर्देशित होंगे। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के साथ एक संवादात्मक सत्र में जयशंकर ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा बाजार जटिल है और भारत की तेल कंपनियां अपने सर्वोत्तम हित में जो उचित समझेंगी, उसके आधार पर निर्णय लेंगी।

विजय मत एंकर तीन महीने की बिकवाली के बाद शेयर बाजार में हुई विदेशी निवेशकों की दमदार वापसी

बाजार में लौटा भरोसा... फरवरी में 19,675 करोड़ रुपये का आया निवेश

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की दमदार वापसी दर्ज की गई है। फरवरी के पहले पखवाड़े में विदेशी निवेशकों ने 19,675 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। लगातार तीन महीनों की बिकवाली के बाद आया यह निवेश बाजार के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में वैश्विक अनिश्चितताओं और मुनाफावसूली के चलते विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से पूंजी निकाली थी। नवंबर, दिसंबर और जनवरी के दौरान भारी बिकवाली देखने को मिली थी। अब फरवरी में निवेश प्रवाह का रुख बदलने से बाजार में विश्वास का माहौल बना है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक संकेतों में कुछ स्थिरता आने, अमेरिकी बाजारों में उतार-चढ़ाव कम होने और भारत की आर्थिक वृद्धि दर मजबूत रहने से विदेशी निवेशकों का भरोसा लौटा है। इसके साथ ही भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जुड़े सकारात्मक संकेतों ने भी निवेशकों को आकर्षित किया है। घरेलू स्तर पर भी स्थिर राजनीतिक माहौल, मजबूत उपभोक्ता मांग और अवसंरचना निवेश में वृद्धि ने विदेशी पूंजी को आकर्षित करने में भूमिका निभाई है।

प्रवाह से बाजार में सकारात्मक माहौल...

एफपीआई की इस वापसी से शेयर बाजारों के मूड में कुछ हद तक सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। निवेश के इस प्रवाह ने बाजार में भरोसे की भावना को मजबूती दी है, हालांकि बाजार की पूरी तस्वीर में अन्य कारक भी प्रभाव डाल रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि यह निवेश प्रवाह भारतीय बाजार के लिए उत्साहजनक संकेत है, पर यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि पिछले समय में विदेशी निवेश काफी मात्रा में निकला भी था। इसलिए अब बाजार की दिशा विदेशी प्रवाह के साथ-साथ घरेलू निवेश और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर भी निर्भर करेगी।

बाजार पर क्या असर

विदेशी निवेश के इस प्रवाह से प्रमुख सूचकांकों को सहारा मिला है। विश्लेषकों का कहना है कि यदि यह रुख जारी रहता है तो बाजार में स्थिरता और मजबूती देखने को मिल सकती है। हालांकि, वे यह भी चेतावनी दे रहे हैं कि वैश्विक ब्याज दरों, डॉलर की चाल और अंतरराष्ट्रीय घटनाऱ् म का असर आगे भी बना रहेगा। आर्थिक जानकारों के अनुसार, विदेशी निवेशकों की यह वापसी भारतीय बाजार के लिए उत्साहजनक संकेत है, लेकिन इसे स्थायी रुझान मानने से पहले आने वाले महीनों के आंकड़ों पर नजर रखना जरूरी होगा। फिलहाल फरवरी के पहले पखवाड़े में आया 19,675 करोड़ रुपये का निवेश यह संकेत दे रहा है कि विदेशी पूंजी ने भारतीय बाजारों में फिर से विश्वास जताया है।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालयः भोपाल ■ शहडोल ■ रायपुर ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ मैहर ■ खरगोन ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़

न्यूज इन शॉर्ट

कोर एवं बफर जोन में बिना मुंडेर वाले कुंओ पर बनाए जा रहे मुंडेर, सीईओ जिला पंचायत ने किया निर्माण कार्यों का निरीक्षण

उमरिया । वन एवं राजस्व सीमांतर्गत कोर एवं बफर क्षेत्र में बिना मुंडेर वाले कुओं पर मुंडेर बनाने का निर्माण किया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने मानपुर जनपद पंचायत के ग्राम रायपुर में बिना मुंडेर वाले कुओं मे बन रहे मुंडेर का औचक निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने बताया कि कोर और बफर क्षेत्र में ऐसे चार हजार कुएं है, जो बिना मुंडेर के है। सभी कुओं को चिन्हित कर सभी पर मुंडेर का निर्माण कार्य किया जा रहा है , ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की जन हानि, पशु हानि नही हो सके ।उन्होंने कहा कि बिना मुंडेर वाले कुओं में मुंडेर बन जाने पर दुर्घटनाएं घटित होने की आशंका कम से कम रहेगी। निरीक्षण के दौरान खंड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

रिश्तेदार ही निकला चोरी का मास्टरमाइंड

सीधी। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी चुरहट रवि प्रकाश कोल के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी कमर्जी के नेतृत्व में थाना कमर्जी पुलिस ने चोरी के प्रकरण का सूचना प्राप्ति के मात्र 12 घंटे के भीतर पर्दाफाश कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की ।पुलिस के अनुसार फरियादी कल्पना सिंह निवासी ग्राम कारीमाटी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 5 जनवरी 2026 को वह अपने पुत्र के साथ मायके चली गई थीं। दिनांक 4 फरवरी 2026 को वापस आने पर घर के बक्से में रखे सोने-चांदी के जेवरात गायब मिले। घर सूना होने का फायदा उठाकर आरोपी द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(1) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर त्वरित विवेचना की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी लवकेश सिंह ने अपराध स्वीकार किया। पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात, नगदी एवं 3 मोबाइल फोन सहित कुल कीमती लगभग 4 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया गया। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। अन्य संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की जांच जारी है ।उक्त कार्रवाई में कार्यवाहक थाना प्रभारी सउनि मनोज वर्मा, सउनि केसरी प्रसाद पाण्डेय, प्रआर अमर सिंह परिहार, आरक्षक शुभम सिंह एवं महिला आरक्षक सुनीता पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

श्रद्धालुओं से भरी तेज रफ्तार ऑटो पलटी, 12 घायल

सीधी। हनुमानगढ़ से जोबा जा रहा एक ऑटो पड़रा बाईपास पर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में एक यात्री की हालत गंभीर बताई जा रही है ।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ट्रक से बचने की कोशिश में यह हादसा हुआ। ऑटो चालक ने ट्रक से बचने के लिए वाहन को पटरी के नीचे उतारा, जहां वह सड़क किनारे पड़े एक पत्थर से टकराकर पलट गया ।हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत घायलों को ऑटो से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया ।जमोड़ी थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह हादसा ऑटो के अनियंत्रित होने के कारण हुआ है। पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है और उस ट्रक की पहचान सहित अन्य सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही हैमंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे यात्रीऑटो में सवार सभी 12 यात्री ग्राम हनुमानगढ़ के निवासी थे और जोबा के पास स्थित भगवान भोलेनाथ के मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे। घायलों में सीमा गोस्वामी, प्रिया गोस्वामी, कुसुम कली, प्रेमवती, राजकुमारी, सुधा, भगवानदीन, रेशमी, अनुष्का गोस्वामी, कीर्ति गोस्वामी सहित दो अन्य शामिल हैं।

पदभार ग्रहण एवं सम्मान समारोह संपन्न

सीधी। जिला कांग्रेस कमेटी सीधी द्वारा कांग्रेस कार्यालय जवाहर भवन में जिले के नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों एवं नगर अध्यक्षों के पदभार ग्रहण कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठनात्मक एकता, अनुशासन और सक्रिय जनसंपर्क को प्राथमिकता देने का संकल्प दोहराया गया ।कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त अध्यक्षों ने औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। इसके उपरांत आयोजित बैठक में ग्राम पंचायत कमेटी एवं वार्ड कमेटी के गठन, संगठनात्मक गतिविधियों के विस्तार, जनसंपर्क अभियान को तेज करने तथा संगठन की कार्यकुशलता बढ़ाने पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में आगामी रणनीति तय करते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

शिव की बारात में उमड़ा जन सैलाब, जगह जगह हुआ बारात का स्वागत

बारात में भूत प्रेतों की टोलियों ने सभी को अपनी ओर आकर्षित किया

विजय मत, उमरिया

महाशिवरात्रि के अवसर पर उमरिया जिला मुख्यालय सहित पाली, नौरोजाबाद, मानपुर, करकेली में धूमधाम के साथ शिव की जी बारात निकाली गई । इस बारात में नगरवासियों ने बारातियो की भूमिका अदा की। जिला मुख्यालय उमरिया में उमरार सिटी से शिव जी की भव्य बारात निकाली गई जो उमरार सिटी से प्रारंभ होकर खलेसर रोड, गांधी चौक, जय स्तंभ चौक, पुराना बस स्टैंड, स्टेशन चौराहा से होते हुए स्थानीय सागेश्वरनाथ धाम मंदिर पहुंची जहां पर बारातियों का स्वागत फूल मालाओ के साथ किया गया इसके साथ ही शिव एवं पार्वती का धूमधाम से विवाह संपन्न कराया गया । विदित हो कि जगह जगह पर बारात की अगुवानी के लिए नगरवासी हाथो में फूल माला लेकर खडे हुए दिखाई दिए। बारात के पहुंचने पर जोरो शोरो के साथ बारात की आगमानी की तथा शिव पार्वती का आर्शीवाद लेकर परिवार के सुख समृध्दि की कामना की। बारात में भूत प्रेतों की टोलियों ने सभी को अपनी ओर आकर्षित किया । इसी तरह भोलेबाबा एवं पार्वती नंदी पर सवार होकर विवाह रचाने के लिए नगर के प्रमुख मार्गो से निकले जो लोगो के लिए आकर्षण का केंद्र रहा । बारात में नरसिंह भगवान, हनुमान, गोरिल्ला सहित भूत प्रेत उपस्थित रहे। साथ ही भगवान शंकर बडी आकार आकर्षक झांकी बारात के साथ चल रही थी। नगर के ह्दय स्थल गांधी चौक उमरिया तथा ईमामबाडा के पास भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया , जिसमें सभी भक्तों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए प्रसाद ग्रहण किया । बारात के दौरान पुलिस व्यवस्था भी तैनात की गई थी, जिससे किसी भी प्रकार की घटना प्रकाश में नही आई है।

मंदिरो में हुए धार्मिक अनुश्ठान

महाशिवरात्रि के अवसर पर जिला मुख्यालय उमरिया सहित पाली, नौरोजाबाद, करकेली, मानपुर स्थित शिवालयो सहित घरो मे स्थापित किए शिव मंदिरो में सुबह से ही पूजा पाठ का दौर चालू रहा । मंदिरो में भी भंडारे का आयोजन किया गया , जिसमें सभी लोगो ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। महाशिवरात्रि के अवसर पर नगर में चहल पहल बनी रही । बोल बम बोल बम के नारो से नगर गुंजायमान रहा ।

नागपुर ने शहडोल को हराकर पैराडाइज गोल्ड कप पर किया कब्जा

मध्य प्रदेश में एक अलग पहचानहै पैराडाइज क्लब –जयसिंह मरावी

विजय मत, उमरिया

स्थानीय अमर शहीद स्टेडियम में जिले की सामाजिक साहित्यिक सांस्कृतिक एवं खेलकूद संस्था पैराडाइज क्लब उमरिया के तत्वाधान में आयोजित लोकप्रिय रोमांचित खेल आयोजन अखिल भारतीय पैराडाइज गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता के 27 वें सोपान के फाइनल खीताबी भिड़ंत गत विजेता शहडोल (मध्यप्रदेश) एवं रणजी खिलाड़ियों से सुसज्जित नागपुर (महाराष्ट्र) के मध्य हुई जिसमें अपनी शानदार बैटिंग आक्रामक बोलिंग व फील्डिंग से नागपुर ने शहडोल को बड़ी आसानी से एक तरफ़ा अंदाज में 93 रनों से पराजित करके पैराडाइज गोल्ड कप पर कब्जा कर लिया'।

'बल्लेबाजी गेंदबाजी के लिए मशहूर सपोर्टिंग टर्फ विकेट पर शहडोल के कप्तान यतींद्र मोहन ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया हजारों खेल प्रेमी दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में हमेशा की भांति मैच शुरू होने के पहले दोनों टीमों को खिलाड़ियों एवं स्टेडियम में मौजूद उत्साही दर्शकों ने राष्ट्रगान का गायन किया पुलवामा घटना की बरसी में आतंकवादी घटना में हुए शहीदों की याद में 2 मिनट का मौन रखकर शहीदों की शहादत का सम्मान किया गया नागपुर के सलामी बल्लेबाजों ने शहडोल के गेंदबाजों की धुनाई करते हुए 65 रनों की अर्धशतकीय साझेदारी करते हुए आक्रामक तेवर दिखा दिए स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों ने चौकों चौकों के लिए तालियां बजाते हुए ढोल नगाड़ों की थाप के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया नागपुर के ओपनर बेटर शिवम देशमुख ने आक्रामक अर्धशतक 43 गेंद में 70 रन जिसमें छह चौके और चार छक्के शामिल हैं सत्यम भोयार ने 20 गेंद में 36 रन हेमंत राठौड़ ने 13 गेंद में तीस रन नाबाद रहते हुए आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत से 25 ओवर के निर्धारित मैच में नागपुर में 7 विकेट पर 243 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया'।

'विशाल 244 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरे शहडोल के बल्लेबाज पारी के शुरुआत से दबाव में आ गए नागपुर के गेंदबाजों ने सटीक धारदार गेंदबाजी के दम पर शानदार क्षेत्ररक्षण के सामने शहडोल के बल्लेबाज कोई लंबी साझेदारी करने में नाकाम हो गए शहडोल की ओर से केवल ऑलराउंडर सचिन विश्वकर्मा ने शानदार 32 गेंद में 42 रन जड़े और शहडोल पूरी टीम 21.4 ओवर में 150 रन पर ढेर होकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम न कर सकी नागपुर की ओर से शानदार बोलिंग करते हुए दीपेश पी ने 32 रन देखकर 3 विकेट सत्तम भोयार ने 16 रन देकर 3 विकेट प्रभुकीरत सिंह ने 26 रन देकर दो विकेट लिए संक्षिप्त स्कोर कार्ड 25-25 ओवर के फाइनल मैच का इस प्रकार रहा नागपुर 25 ओवर में 243 रन 7 विकेट शहडोल 21.4 ओवर्स में 150 रन ऑल आउट फाइनल मैच के मैन ऑफद मैच का पुरस्कार नागपुर के ओपनर बेटर शिवम देशमुख रणजी खिलाड़ी को नगद उमरिया के पालीवाल शॉप के संचालक ने ?2100 नगद देकर सम्मानित किया जबकि बेस्ट फील्डर का अवार्ड यतींद्र मोहन शहडोल को धीरज सोनी ने बेस्ट बेटर का अवार्ड कुमार आर्य शहडोल को किशोर चौरसिया ने बेस्ट बॉलर प्रभु कीरत सिंह नागपुर का अवार्ड शंभूलाल खट्टर ने और बेस्ट विकेटकीपर का पुरस्कार उपदेश राजपूत नागपुर को हेमंत चांदनी ने 1100-1100रुपए देकर सम्मानित किया मैन ऑफद सीरीज का पुरस्कार नागपुर के ऑलराउंडर दीपेश परवानी को 5100 संदीप वाधवा द्वारा प्रदान किया गया। फाइनल मैच के अंपायर सिकंदर खान एवं निपेंद्र सिंह रहे स्कोर संदीप सतनामी रहे कमेंट्री पर लोकेश खंडेलवाल सुशील मिश्रा अरुण गुप्ता सलीम खान दीपन दर्द्वशी मौजूद रहे'।

शादी में तेज आवाज में डीजे बजाना पड़ा भारी, समान और वाहन जब्त, डीजे और वाहन चालक गिरफ्तार

विजय मत, अनूपपुर

जिले के कोतवाली थाना अनूपपुर क्षेत्र में बोर्ड परीक्षाओं के चलते निषेधाज्ञा के बावजूद देर रात डीजे बजाना डीजे संचालक के साथ वाहन मालिक को भारी पड़ गया, जहां पुलिस ने डीजे के सामानों के साथ वाहन को जब्त करते एफआईआर दर्ज की है। यह शादी ब्याह और बोर्ड परीक्षा के दौरान पुलिस की पहली कार्रवाई है। थाना प्रभारी अरविंद जैन ने बताया कि देर रात करीब 12 बजे अमरकंटक रोड पर बारात के साथ तेज ध्वनि में डीजे बजाए जाने की शिकायत मिलने पर सहायक उपनिरीक्षक कमलेश तिवारी, प्रधान आरक्षक राजेश कंवर, आरक्षक अमित यादव की टीम द्वारा निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया। और डीजे के संचालक प्रिन्स कुमार सोनी पिता दादूराम सोनी 27 वर्ष निवासी वार्ड नं. 02 निवासी मन्दाकिनी होटल के पास अनूपपुर तथा डीजे लोडिंग वाहन छ्त्र-31, 9051 के चालक सिबालाल कोल तथा जग्गू कोल उम्र 27 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती अनूपपुर के खिलाफ धारा 223(ए) बीएनएस, मप्र. कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 15 दर्ज करते डीजे उपकरण को वाहन के साथ जब्त किया। वहीं आरोपी डीजे संचालक प्रिन्स कुमार सोनी एवं वाहन चालक सियालाल कोल को गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि 11 फरवरी को अनूपपुर तहसीलदार ईश्वर सिंह प्रधान, कोतवाली प्रभारी अरविंद जैन ने 10वी एवं 12वी की बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर अनूपपुर द्वारा 29 जनवरी की मप्र कोलाहल अधिनियम 1985 की धारा 10 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक निषेधाज्ञा लागू के आलोक में मैरिज गार्डन और साउंड सर्विस संचालकों की बैठक का आयोजन किया था। जिसमें सभी को ध्वनि मानको के प्रावधानो का पालन करते हुए 10 डेसिबल से कम ध्वनि तीव्रता के केबल दो छोटे साउण्ड बाक्स एसडीएम की अनुमति उपरांत ही रात्रि 10 बजे तक ही उपयोग में लाए जाने के निर्देश दिए थे। साथ ही रात 10 बजे के बाद किसी भी ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग करने पर समान जब्ती के साथ एफआईआर की चेतावनी दी थी।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

सीधी। जिले भर में आज महाशिवरात्रि महापर्व पूरी आस्था के साथ मनाया गया। प्रसिद्ध शिवालयों में अलसुबह से ही पूजा अर्चना का दौर जारी रहा। यह क्रम शाम तक अनवरत रूप से चलता रहा। ज्योतिषी गणना के अनुसार महाशिवरात्रि पर पूजा अर्चना करने से विशेष फल प्राप्त होते हैं। इसी मंशा के चलते शिवालयों में पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ अलसुबह से ही उमडना शुरू हो गई थी। जिले के प्रसिद्ध बढ़ौरा एवं मौहार नीलकण्ठ मंदिर परिसर में भव्य मेला का आयोजन भी किया गया। जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर आस्था के साथ जलाभिषेक कर मेला का लुत्फ भी उठाया। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर जिले के अन्य शिव मंदिरों में भी भक्तों की भीड़ पूजा अर्चना के लिए उमड़ रही थी। जिला मुख्यालय में पूजा पार्क, पडरा शिवमंदिर में भी भक्तों की भीड़ जलाभिषेक करने के लिए पहुंच रही थी। वहीं रामपुर नैकिन अंचल में रैदुअरिया में भी महाशिवरात्रि पर मेला का आयोजन शिव मंदिर परिसर में किया गया।

अमरकंटक में 14 से 18 फरवरी तक महाशिवरात्रि मेला आयोजित

पूर्व जनपद अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने किया शुभारंभ

विजय मत, अनूपपुर

जिले के धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक में 14 से 18 फरवरी तक आयोजित महाशिवरात्रि मेले का शुभारंभ पूर्व जनपद अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा एवं उत्साह का विशेष वातावरण देखने को मिला। शुभारंभ अवसर पर अतिथियों ने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा विभागीय अधिकारियों से योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

मेले में उद्यानिकी, कृषि, स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा आदिम जाति विभाग सहित अन्य शासकीय विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन को शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने नागरिकों को योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने हेतु प्रेरित किया।

इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा शैला करमा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिससे अतिथियों का पारंपरिक एवं आत्मीय स्वागत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

प्रशासन द्वारा मेले के सफल संचालन हेतु सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और मेला शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट, नगर परिषद अमरकंटक अध्यक्ष पार्वती सिंह, उपाध्यक्ष रज्जू नेताम, पार्षद रोशन पनाडिया, सांसद प्रतिनिधि विक्की द्विवेदी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, पत्रकारगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

हाथियों की दहशत मिला बिछड़े दो अन्य हाथियों से, दो घरों की दीवार तोड एवं खेतों में लगी फसलों का किया नुकसान, ग्रामीणों में दहशत

22 किमी का रास्ता तय कर धनगवां के जंगल पहुंचा एक दंतैल हाथी

विजय मत, अनूपपुर

आखिरकार एकल दंतैल अकेला हाथी शनिवार एवं रविवार की रात लगभग 22 किलोमीटर का लंबा रास्ता तय करते हुए भगतबांध, सोनमौहरी, छुलहा, अमगवां, गुवारी, चांदपुर, टकहुली, कुसुमहाई होते रविवार की सुबह धनगवां बीट के जंगल में पहुंच गया। जहां दो हाथी साथियों के साथ मिल गया है। जिसके बाद इन हाथियों का वर्चस्व यह रहा की अब यह दिन के समय भी विचरण में जंगल से बाहर निकल रहे है। इससे पूर्व एकल दंतैल हाथी ने धनगवां जंगल पहुंचने से पूर्व यह हाथी दो घरों की दीवाल में तोड़फोड़ कर अनेको गांव में किसानों के खेतों में लगे फसलों को आहार बनाया। पूरे रात विचरण के दौरान कई गांव के ग्रामीण रात भर जाग कर हाथी को अपने इलाके से खदेडते नजर आए। ग्रामीणों का कहना है कि अब तीनों हाथियों के एक साथ होने से गांव में अधिक नुकसान होंगे। पूर्व में भी यह तीनों हाथी किसी भी गांव में प्रवेश के दौरान ग्रामीणों के आवास और फसलों को अधिक नुकसान पहुंचाया है। दरअसल एक दंतैल हाथी पिछले 15 दिनों से अपने दो अन्य हाथी साथियों से अलग होकर वन परिक्षेत्र अनूपपुर के इलाके में दिन के समय जंगल में व्यतीत करने के बाद शाम रात होते ही जंगल से निकल कर आहार की तलाश में ग्रामीणो के घरों में तोड़फोड़ कर खेतों में लगे विभिन्न तरह की फसलों को अपना आहार बनाता रहा। रविवार की सुबह वन परिक्षेत्र जैतहरी के धनगवा बीट में पहुंचकर अपने दो हाथी साथी जो लगभग 13 दिनों से धनगवां के जंगल के अंदर डरे एवं सहमे स्थिति में रह रहे हैं के साथ जाकर मिल गया। वही अनूपपुर जिले में पटवारियो की अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण हाथी के द्वारा किए गए नुकसान का सर्वेक्षण एवं राहत प्रकरण बनने में परेशानी होने से नुकसान से प्रभावित ग्रामीण परेशान है। इसके लिए कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदारो ने क्षेत्र के राजस्व निरीक्षकों को हाथी द्वारा किए गए नुकसान का शीघ्र सर्वेक्षण किए जाने की निर्देश दिए हैं हाथी के विचरण पर वन विभाग का गढ़ती दल अलग-अलग टीम बनाकर हाथी के विचरण पर निगरानी रखते हुए ग्रामीण जनों को हाथियों से दूरी बनाए रखने की अपील की है।

महाशिवरात्रि पर मध्यप्रदेश शिवमय, श्रद्धा और उत्साह का दिखा अद्भुत संगम

मुख्यमंत्री मोहन ने बड़वाले महादेव मंदिर में किया अभिषेक, कई शहरों में निकली भव्य शिव बारातें

विजय मत, भोपाल

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भोपाल स्थित प्राचीन बड़वाले महादेव मंदिर पहुंचे। उन्होंने विधिवत भगवान शिव का अभिषेक और पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठानों के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने यहां से भव्य शिव बारात को रवाना किया और निर्धारित मार्ग पर भक्तों के साथ शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में 'हर-हर महादेव' और 'जय महाकाल' के जयघोष गूंजते रहे। कार्यक्रम में सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

भोपाल के प्रमुख शिव मंदिरों में सुबह से ही लंबी कतारें देखी गईं। जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और विशेष पूजन के लिए श्रद्धालु घंटों प्रतीक्षा करते रहे। पुराने शहर से लेकर नेहरू नगर तक विभिन्न स्थानों पर शिव बारातें निकाली गईं। शाम होते-होते डमरू, ताशों और जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा। पुराने शहर स्थित शिवालय भवन से शोभायात्रा प्रारंभ हुई। चांदी के नंदी पर सवार दूल्हा स्वरूप बाबा बटेश्वर आकर्षण का केंद्र रहे। विभिन्न प्रांतों से आए नृत्य दलों ने पारंपरिक प्रस्तुतियां दीं। युवाओं के डमरू दल में 50 से अधिक बालिकाओं की भागीदारी विशेष आकर्षण रही। मार्गभर सामाजिक संस्थाओं ने मंच लगाकर बारात का स्वागत किया।

नेहरू नगर में 11वीं वर्ष विशाल आयोजन

नेहरू नगर में भी 11वीं वर्ष विशाल शिव बारात निकाली गई। बारात हनुमान मंदिर पलकमती परिसर से प्रारंभ होकर सिद्धेश्वरी शक्ति पीठ तक पहुंची। समापन स्थल पर शिव-पार्वती विवाह का मंचन किया गया और प्रसाद वितरण हुआ। इस बारात में तीन से चार हजार श्रद्धालु शामिल हुए। तीन रथों पर भगवान शिव के स्वरूप सजे, छह ऊंट, 20 घोड़े और आठ बग्घियां शोभायात्रा का हिस्सा रहीं। 125 ढोल, 50 ताशे, 50 झांझ-डमरू और तीन बैंड दलों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

महाशिवरात्रि पर उज्जैन में आस्था का महासागर, महाकाल के दरबार में उमड़े लाखों श्रद्धालु

विजय मत, ब्यूरो उज्जैन। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर धर्मनगरी उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में आस्था का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ पड़ा है। अब तक 3 लाख 96 हजार से अधिक श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन कर चुके हैं। रविवार होने के कारण भीड़ में लगातार इजाफा हो रहा है और प्रशासन को आज लगभग 10 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। शहर के होटल, लॉज और होम-स्टे पहले ही फुल हो चुके हैं। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और प्रमुख मार्गों पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। मध्य रात्रि 2.30 बजे मंदिर के पट विधिवत खोले गए। प्रथम घंटाल बजाकर भगवान के दरबार में प्रवेश किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गर्भगृह में स्थापित सभी प्रतिमाओं का पूजन कर हरिओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के पश्चात पंडे-पुजारियों ने जलाभिषेक किया। इसके बाद दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक हुआ। महाकाल को भांग, चंदन और त्रिपुंड अर्पित कर राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से आच्छादित कर भस्म रमाई गई। रजत शेषनाग मुकुट, रजत मुंडमाल, रुद्राक्ष की माला और मोगरा-गुलाब के पुष्पों से विशेष अलंकरण किया गया। तड़के संपन्न भस्म आरती में पासधारी श्रद्धालुओं के साथ चलित भस्म आरती के दर्शन भी कराए गए।

अन्य ज्योतिर्लिंगों में भी उमड़ी भीड़... मध्यप्रदेश के अन्य प्रमुख शिवधामों में भी श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा है। ओंकारेश्वर मंदिर में सुबह 3 बजे मंगला आरती के साथ कपाट खुले और सोमवार रात तक दर्शन जारी रहेंगे। सुबह 8.30 बजे तक 50 हजार श्रद्धालु पहुंच चुके थे। रायसेन स्थित ऐतिहासिक भोजपुर शिव मंदिर में भी 20 हजार से अधिक भक्त दर्शन कर चुके हैं। पचमढ़ी के चौरागढ़, दमोह के जटाशंकर धाम, ग्वालियर के अचलेश्वर मंदिर और जबलपुर के कचनार सिटी शिव मंदिर में भी श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी हैं।

महाकाल का दूल्हा स्वरूप और सप्तधान्य श्रृंगार

महाशिवरात्रि पर महाकाल का दूल्हा स्वरूप श्रृंगार विशेष आकर्षण का केंद्र है। तीन क्विंटल फूलों से 11 फीट का सेहरा तैयार किया गया है। सवा लाख बेलपत्र अर्पित किए जाएंगे। 16 फरवरी को सप्तधान्य–चावल, मूंग, तिल, मसूर, गेहूं, जौ और उड़द–का मुखौटा धारण कराया जाएगा।

न्यूज इन शॉर्ट

भोपाल में फैब्रिकेशन फैक्ट्री के गोदाम में आग... फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियां 2 घंटे में पा सकीं काबू

विजय मत, भोपाल। भोपाल में इंटर स्टेट बस टर्मिनल के सामने मेहता इंडस्ट्री में रविवार दोपहर करीब पौने 4 बजे आग लग गई। यहां फैब्रिकेशन का काम होता है। आग फैक्ट्री के पिछले हिस्से में बने गोदाम में लगी, जहां लकड़ी का सामान और प्लाईवुड रखा था। सूचना मिलते ही नगर निगम की एक-एक कर 12 दमकलें मौके पर पहुंचीं। गोदाम के पीछे की तरफ टिन से बनी दीवार तोड़ी गई। यहां से लपटों पर फोम डाला गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फैब्रिकेशन फैक्ट्री से सटी झुग्गी बस्ती के लोगों ने एहतियात के तौर पर घरों का सामान बाहर निकाल लिया था। हादसे में जनहानि की सूचना नहीं है। फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

पानी गर्म करते समय छात्र की करंट लगने से मौत

विजय मत, भोपाल। भोपाल के आनंद नगर में सातवीं कक्षा के छात्र की करंट लगने से मौत हो गई। हादसा रविवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ। छात्र नहाने के लिए बाल्टी में पानी गर्म कर रहा था। पानी का तापमान जांचने के लिए हाथ डालते ही वह करंट की चपेट में आ गया। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, 13 वर्षीय केशव चौकसे, पिता राजकुमार चौकसे, आनंद नगर का निवासी था। वह एक निजी स्कूल में कक्षा सातवीं का छात्र था। रविवार को वह घर पर नहाने की तैयारी कर रहा था। केशव ने पानी गर्म करने के लिए बाल्टी में इलेक्ट्रिक हीटर रॉड लगाई थी। पानी का तापमान जांचने के लिए उसने बाल्टी में हाथ डाल दिया। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया।

मध्यप्रदेश बजट सत्र की आज से, 18 फरवरी को पेश होगा डिजिटल बजट

सरकार और विपक्ष आमने-सामने; 4.85 लाख करोड़ रुपये तक बजट पहुंचने के संकेत

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से प्रारंभ हो रहा है। सत्र की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और इस बार सदन के भीतर तीखी बहस के आसार पहले से ही दिखाई दे रहे हैं। सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होगी और यह 6 मार्च तक चलेगा। इस दौरान कुल 12 बैठकें आयोजित की जाएंगी। 18 फरवरी को उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत करेंगे। इस बार बजट पूरी तरह डिजिटल स्वरूप में पेश किया जाएगा। पारंपरिक बजट पुस्तकों की जगह टैबलेट और इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों का उपयोग होगा, जिससे कागज की बचत और पारदर्शिता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा।

सत्ता पक्ष- विपक्ष की रणनीति तैयार

सत्र के दौरान विपक्ष इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पेयजल प्रकरण, बढ़ते कर्ज और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। दूसरी ओर सरकार भी इन विषयों पर जवाब देने के लिए रणनीति बना चुकी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बजट सत्र में वित्तीय प्रबंधन, कर्ज और विकास योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हो सकती है।

बजट आकार में बढ़ोतरी के संकेत

मुख्यमंत्री मोहन यादव पहले ही बजट का आकार बढ़ाने के संकेत दे चुके हैं। अनुमान है कि इस वर्ष कुल बजट लगभग 4.85 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जो पिछले वर्ष के 4.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक होगा। सरकार ने वर्ष 2026 को कृषि वर्ष घोषित किया है। ऐसे में खेती, सिंचाई और ग्रामीण विकास योजनाओं पर विशेष प्रावधान किए जाने की संभावना है। इसके अलावा 2028 में प्रस्तावित सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए आधारभूत ढांचे के विकास के लिए अतिरिक्त राशि का प्रावधान किया जा सकता है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2028 तक बजट को 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक तक ले जाने का है।

3478 प्रश्न, सात विधेयक संभावित

विधानसभा सचिवालय को अब तक कुल 3478 प्रश्न प्राप्त हुए हैं। इनमें बड़ी संख्या ऑनलाइन माध्यम से भेजी गई है। तारांकित और अतारांकित प्रश्नों के अलावा ध्यानाकर्षण और स्थगन प्रस्ताव भी बड़ी संख्या में प्राप्त हुए हैं। सत्र के दौरान सात विधेयक पेश किए जाने की संभावना है। इससे स्पष्ट है कि यह बजट सत्र विधायी और राजनीतिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहेगा। माना जा रहा है कि आगामी दिनों में सदन में सरकार और विपक्ष के बीच जोरदार बहस देखने को मिल सकती है, जो प्रदेश की राजनीतिक दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगी।

बैटरी स्टोरेज सिस्टम से मप्र को मिलेगी सस्ती बिजली

परियोजना के लिए राज्य के 4 प्रमुख हाई वोल्टेज सबस्टेशनों का चयन

विजय मत, भोपाल

मप्र बिजली ट्रांसमिशन में बड़ी क्रांति करने जा रहा है। अगर प्रदेश सरकार का यह प्रयोग सफल रहा तो, भविष्य में किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। 24 घंटे बिजली मिलने से किसानों को सिंचाई और दूसरी जरूरतों के लिए सस्ती बिजली मिल सकेगी। बिजली सब्सिडी घटाने में भी मदद मिलेगी। यानि शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्र दिन-रात जगमगाएंगे, लोगों को कम दाम में 24 घंटे बिजली मिलेगी। इतना ही नहीं यह प्रयोग पर्यावरण के लिए भी बहुत असरदार होगा। प्रदेश ग्रीन एनर्जी का हब बन जाएगा। मप्र में सौर और पवन जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों से बनने वाली बिजली को अब सुरक्षित रखकर जरूरत के समय इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसके लिए राज्य में बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली की बड़ी परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। दरअसल, मप्र में बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाने और सौर ऊर्जा का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं।

करीब ₹3900 करोड़ का निवेश आने की संभावना

राज्य में कुल 750 मेगावॉट क्षमता की बैटरी स्टोरेज परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी, जिनसे करीब 3900 करोड़ का निवेश आने की संभावना है। इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य यह है कि जब सौर ऊर्जा उपलब्ध न हो जैसे सुबह-शाम के पीक समय या रात में- तब भी बिजली की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इससे बिजली कटौती कम होगी और ग्रिड की स्थिरता बढ़ेगी। परियोजना के लिए राज्य के चार प्रमुख हाई वोल्टेज सबस्टेशनों का चयन किया गया है। इनमें बिरसिंहपुर (पाली), बीना, सेंधवा और राजगढ़-ब्यावरा शामिल हैं।

टेलीकॉम कंपनियों पर निर्भरता खत्म करने की तैयारी

हाईटेक होगी मध्यप्रदेश पुलिस... 100 करोड़ के सैटेलाइट प्रोजेक्ट से बनेगा अभेद संचार नेटवर्क

विजय मत, भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस अब हाईटेक पुलिसिंग की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। टेलीकॉम कंपनियों के नेटवर्क पर निर्भरता कम करते हुए पुलिस अपना स्वतंत्र सैटेलाइट आधारित कम्युनिकेशन सिस्टम विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। यह परियोजना फिलहाल योजना चरण में है और इसकी लागत, तकनीकी ढांचा तथा संचालन व्यवस्था पर मंथन जारी है। अनुमान है कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर 100 करोड़ रुपए से अधिक खर्च आ सकता है। केंद्र सरकार के पुलिस वायरलेस समन्वय निदेशालय (डीसीपीडब्ल्यू) के मार्गदर्शन में तैयार होने वाला यह सिस्टम पूरी तरह एनक्रिप्टेड होगा। इसका मतलब है कि पुलिस की बातचीत, निर्देश और रणनीतियां कोडेड रूप में सुरक्षित रहेंगी, जिन्हें कोई बाहरी व्यक्ति इंटरसेप्ट या डिकोड नहीं कर सकेगा। नक्सल ऑपरेशन के दौरान कई बार वायरलेस संदेशों के इंटरसेप्ट होने की घटनाएं सामने आई थीं, जिससे अभियान प्रभावित हुए। नए सैटेलाइट नेटवर्क के बाद ऐसी आशंका लगभग समाप्त हो जाएगी। इस सिस्टम की सबसे बड़ी विशेषता इसका डिजास्टर प्रूफ होना है। बाढ़, भूकंप या अन्य प्राकृतिक आपदाओं में जब मोबाइल टावर और बिजली आपूर्ति ठप हो जाती है, तब भी सैटेलाइट नेटवर्क चौबीसों घंटे सक्रिय रहेगा। इससे राहत एवं बचाव कार्यों में निरंतर संपर्क बना रहेगा।

सेंट्रल इंडिया टाइगर टूरिज्म कॉरिडोर से जुड़ेंगे चार रिजर्व, बनेगा 650 किमी लंबा कॉरिडोर

विजय मत, भोपाल

दुनिया भर के बाघों में से 70 फीसदी बाघ अकेले भारत में निवास करते हैं। भारत की बाघों की कुल आबादी का आधे से ज्यादा हिस्सा मध्य भारत में निवास करता है। ऐसे में बाघों के संरक्षण के लिए भारत सरकार के भूतल परिवहन विभाग द्वारा मध्य भारत बाघ पर्यटन कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। जिसको 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें प्रमुख रूप से पेंच, कान्हा, बांधवगढ़ और पन्ना टाइगर रिजर्व को फोरलेन के जरिए कनेक्ट किया जा रहा है। इस कॉरिडोर के चलते दूसरे टाइगर रिजर्व अपने आप आपस में जुड़ जाएंगे। कॉरिडोर का उद्देश्य बाघ सुरक्षा, संरक्षण, आनुवांशिक विविधता, मानव और बाघ द्वंद कम करने के साथ पर्यटन के जरिए रोजगार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। ये कॉरिडोर वन आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। वैसे तो मध्य प्रदेश में टाइगर रिजर्व की संख्या 9 है, लेकिन मध्य भारत टाइगर टूरिज्म कॉरिडोर में 4 प्रमुख टाइगर रिजर्व को जोड़ा जा रहा है, क्योंकि दूसरे टाइगर रिजर्व प्रमुख मार्गों से जुड़े हुए हैं और इस कॉरिडोर के अस्तित्व में आने से लगभग सबकी कनेक्टिविटी आपस में हो जाएगी। इसमें पेंच, कान्हा, बांधवगढ़ और पन्ना टाइगर रिजर्व को जोड़ा जाएगा।

नए सिस्टम की वजह से बदलेगा मप्र का मौसम, 18-19 को बारिश का अलर्ट

विजय मत, भोपाल

वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से मध्य प्रदेश का मौसम फिर बदल सकता है। मौसम केंद्र भोपाल ने 18 और 19 फरवरी को प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले दिन और रात का टेम्प्रेचर 2 से 3 डिग्री तक बढ़ा हुआ रहेगा।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के उत्तरी हिस्से यानी, ग्वालियर-चंबल और सागर के 8 जिलों में बारिश हो सकती है। इनमें ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर जिले शामिल हैं। इनसे जुड़े जिलों में बादल रहेंगे।

बारिश हुई तो फरवरी में ऐसा तीसरी बार होगा

यदि मौसम बदलता है तो फरवरी में तीसरी बार बारिश का दौर रहेगा। इससे पहले फरवरी के शुरुआत में ही प्रदेश में ओले, बारिश और आंधी का दौर रह चुका है। इससे फसलों को खासा नुकसान हुआ था। इसके बाद सरकार ने प्रभावित फसलों का सर्वे भी कराया था।

अभी भी सिस्टम एक्टिव, लेकिन असर नहीं

मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में भी एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव है, लेकिन इसका पहाड़ी राज्यों में ही असर है। वहां बर्फबारी हो रही है। एमपी में कहीं-कहीं हल्के बादल जरूर है। आज से नया सिस्टम उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा। इसमें एमपी भी शामिल हैं।

विजय मत एंकर मध्यप्रदेश में निवेशकों को आकर्षित करने लीज बढ़ाकर 60 और 90 साल कर दी गई

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की परिसंपत्तियां पीपीपी मॉडल पर सौंपेगी सरकार

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार आगामी वित्तीय वर्ष में पर्यटन अवसंरचना को नई गति देने की तैयारी में है। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की 8 से 10 प्रमुख परिसंपत्तियों को सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर निजी समूहों को सौंपने की रणनीति बनाई है। उद्देश्य यह है कि प्रत्यक्ष सरकारी निवेश का बोझ कम करते हुए निजी पूंजी, आधुनिक प्रबंधन और वैश्विक ब्रांडिंग के माध्यम से पर्यटन सुविधाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक विकसित किया जाए।

पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक इलैयाराजा टी के अनुसार अगले वित्तीय वर्ष में इन परिसंपत्तियों को निजी भागीदारी मॉडल पर देने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

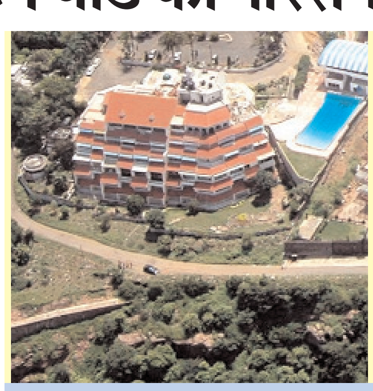

लेक व्यू होटल से शुरुआत

हाल ही में भोपाल स्थित लेक व्यू होटल को निजी समूह को लीज पर सौंपा गया है। समझौते के अनुसार पहले वर्ष न्यूनतम 3 करोड़ रुपये और संचालन शुरू होने के तीन वर्षों के भीतर कम से कम 10 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष राजस्व मिलने का अनुमान है। विभाग के पास पहले से आठ संपत्तियां निजी लीज पर हैं। नई नीति के तहत लीज अवधि 30 वर्ष से बढ़ाकर 60 और 90 वर्ष तक की जा रही है, ताकि बड़े निवेशकों को आकर्षित किया जा सके।

इंदौर और भोपाल में बड़े निवेश की तैयारी

इंदौर में कृषि कॉलेज के पास लगभग पांच एकड़ भूमि पर बड़े होटल और आतिथ्य परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। वहीं भोपाल में अंतरराष्ट्रीय ब्रांड स्थानीय भागीदारों के साथ परियोजनाएं विकसित कर रहे हैं। सरकार का मानना है कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल से पर्यटन सुविधाओं का आधुनिकीकरण होगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। राज्य सरकार का लक्ष्य मध्यप्रदेश को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाना है, जहां विरासत, आध्यात्मिकता और आधुनिक अवसंरचना का संतुलित संगम दिखाई दे।

इन परिसंपत्तियों को किया जाएगा शामिल

प्रस्तावित सूची में पचमढ़ी गोल्फ कोर्स, राजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर, उज्जैन के प्रमुख होटल और इंदौर की महत्वपूर्ण शासकीय भूमि शामिल हैं। खजुराहो में 1200 सीट क्षमता वाले राजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर के साथ लगी 4 से 5 एकड़ अतिरिक्त भूमि पर निवेशक होटल और आतिथ्य परियोजनाएं विकसित कर सकेंगे। इससे कॉन्फ्रेंस और प्रदर्शनी आधारित पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है। पचमढ़ी में वर्ष 1927 में स्थापित 9-होल गोल्फ कोर्स को 18-होल अंतरराष्ट्रीय मानकों के गोल्फ कोर्स में बदला जाएगा। यह परियोजना उच्च श्रेणी और खेल पर्यटन को प्रोत्साहित करेगी। उज्जैन में महाकाल लोक के विकास के बाद बढ़ी पर्यटक संख्या को देखते हुए अवंतिका और ग्रैंड होटल को आधुनिक स्वरूप देने की योजना है।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

कोचिंग और बच्चों की मौतें सफलता के नाम पर असफल हो रहा समाज

कोटा में एक और छात्रा की आत्महत्या—यह कोई साधारण खबर नहीं है और न ही किसी एक परिवार की निजी त्रासदी भर। यह उस शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक मानसिकता और तथाकथित सफलता मॉडल÷ पर गहरा प्रश्नचिह्न है, जिसे हमने पिछले दो दशकों में बिना सवाल किए स्वीकार कर लिया है। आत्महत्या करने वाली छात्रा कृति का सुसाइड नोट केवल व्यक्तिगत पीड़ा का दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि वह एक आरोपपत्र की तरह हमारे पूरे समाज के सामने खड़ा होता है—माता-पिता, कोचिंग संस्थान, स्कूल और नीति-निर्माता सभी इसके दायरे में आते हैं।कृति ने अपने सुसाइड नोट में भारत सरकार और मानव संसाधन मंत्रालय से अपील की थी कि अगर वे सच में चाहते हैं कि कोई बच्चा न मरे, तो कोचिंग संस्थानों को जल्द से जल्द बंद कर देना चाहिए, क्योंकि ये संस्थान छात्रों को भीतर से खोखला कर देते हैं। यह कथन किसी क्षणिक आवेग का परिणाम नहीं था, बल्कि उस लंबे मानसिक उत्पीड़न की अभिव्यक्ति थी, जिसे आज लाखों छात्र रोज़ झेल रहे हैं। असली सवाल यह नहीं है कि कृति ने ऐसा क्यों लिखा, बल्कि यह है कि क्या वह ग़लत थी।

आज भारत में कोचिंग शिक्षा का सहायक माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि एक विशाल और मुनाफ़े पर आधारित उद्योग बन चुकी है। कोटा, सीकर, हैदराबाद, दिल्ली और पटना जैसे शहर ÷एजुकेशन हब÷ कहलाते हैं, जहाँ हर साल लाखों किशोर अपने माता-पिता के सपनों का बोझ उठाए पहुँचते हैं। इन सपनों के केंद्र में कुछ सीमित शब्द होते हैं—आईआईटी, एम्स, नीट, रैंक और सेलेक्शन। कोचिंग संस्थान बच्चों को यह यक़ीन दिलाते हैं कि यदि वे चयनित नहीं हुए, तो वे असफल हैं। सफलता की यह परिभाषा इतनी संकीर्ण है कि उसमें औसत छात्र के लिए कोई जगह नहीं बचती, और असफलता से उबरने की कोई मानवीय प्रक्रिया भी नहीं होती।कृति का यह कथन कि 90+ अंक लाने वाली लड़की भी आत्महत्या कर सकती है÷ हमारे उस भ्रम को तोड़ता है, जिसमें हम यह मान लेते हैं कि मानसिक संकट केवल कमजोर या असफल छात्रों तक सीमित है। यह सोच न सिर्फ़ ग़लत है, बल्कि ख़तरनाक भी है। आज का दबाव केवल परीक्षा पास करने या अच्छे अंक लाने का नहीं रह गया है।

सूचना

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

डिजिटल युग: भय,तथ्य, कानून और लोकतंत्र पर मंडराता संकट

अरविंद तिवारी

वैश्विक स्तरपर इक्कीसवीं सदी का डिजिटल युग सूचनाओं की अभूतपूर्व शक्ति लेकर आया है।इंटरनेट सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स ने याँ को जोड़ दिया है,लेकिन इसी के साथअफवाहों और फेक न्यूज का संकट भी तेजी से बढ़ा है। आज भारत ही नहीं, बल्कि पूराविश्व इस चुनौती से जूझ रहा है कि किस प्रकार झूठी,भ्रामक और जानबूझकर फैलाई गई सूचनाएँ समाज, लोकतंत्र और मानव जीवन को गंभीर नुकसान पहुँचा रही हैं।यह स्थिति अब केवल सामाजिक यानैतिक चिंता का विषय नहीं रही,बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, जनस्वास्थ्य तथा चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन चुकी है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि अफवाहों का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि वे अक्सर सच का रूप धारण कर लेती हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वायरल होने वाली सामग्री भावनाओं को भड़काने,डर फैलाने और पूर्वाग्रह को मजबूत करने का काम करती है।भारत जैसे विविधता-पूर्ण देश में, जहाँ भाषा, धर्म, जाति और राजनीतिक मतभेद पहले से मौजूद हैं,अफवाहें सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर देती हैं। वैश्विक स्तर पर भी,अफवाहों ने नस्लीय तनाव,युद्ध जैसी स्थितियों और कूटनीतिकसंबंधों को प्रभावित किया है।फेक न्यूज़ का सबसे पहला और सबसे गहरा प्रभाव सामाजिक सौहार्द पर पड़ता है। सांप्रदायिक अफवाहें, भ्रामक वीडियो, एडिटेड तस्वीरें और संदर्भ से काटे गए बयान अक्सर हिंसा, दंगों और सामाजिकतनाव को जन्म देते हैं।भारत में बीते वर्षों में कई घटनाएं सामने आई हैं जहां व्हाट्सएप्प संदेशों या सोशल मीडिया पोस्ट के कारण भीड़ हिंसा,लिंचिंग और सांप्रदायिक टकराव हुए। यह दर्शाता है कि अफवाहें केवल सूचना की समस्या नहीं हैं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा का संकट बन चुकी हैं।इसलिए अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि अफवाहों से निपटने के लिए केवल सामान्य कानून या प्लेटफॉर्म की स्वैच्छिक नीतियाँ पर्याप्त नहीं हैं। कुछ समय पूर्व मुंबई में मिसिंग पपर्सन्स का मामला जोरशोर से उठ रहा था, मुंबई पुलिस द्वारा जारी चेतावनियों के बाद यह स्पष्ट हुआ कि मिसिंग पर्सन्स की संख्या पिछले वर्षों के औसत के अनुरूप ही थी,यानें अफवाहों पर कानूनी सख्ती की चेतावनी आई,मामला वहीं शांत हो गया।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

रमेश गौतम

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का?

बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक था।राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए।

बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए।

तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है।आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की ÷नई गंगा÷ तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं।

भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है।

इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या आलोचना को देशविरोध का रूप दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

जलवायु परिवर्तन की दस्तक और बढ़ती फरवरी की गर्मी

कांतिलाल मांडोत

उत्तर भारत में इस वर्ष फरवरी का महीना अप्रत्याशित गर्मी लेकर आया है। कई शहरों में तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और लोगों को ऐसा महसूस हो रहा है मानो सर्दी के बाद सीधे मई का मौसम आ गया हो। जिस समय फागुन की मादक बयार बहती थी और दिन में हल्की गर्मी के साथ रात में ठंडक रहती थी उस समय अब तेज धूप और शुष्क हवाएं चल रही हैं। वसंत का संतुलित और सुखद स्वरूप जैसे अचानक सिमट गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार फरवरी में तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। दिल्ली एनसीआर सहित उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान दोनों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। यह स्थिति केवल एक अस्थायी बदलाव नहीं बल्कि दीर्घकालिक जलवायु प्रवृत्ति का संकेत है। वैश्विक स्तर पर पिछले वर्ष अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई और 2025 भी गर्म वर्षों में शामिल रहा। इसका प्रभाव क्षेत्रीय मौसम चक्र पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

सीधी गर्मी आने के पीछे कई कारण हैं। वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा धरती की सतह से उत्सर्जित ऊष्मा को रोक लेती है जिससे तापमान बढ़ता है। औद्योगीकरण वाहनों की बढ़ती संख्या ऊर्जा की अत्यधिक खपत और जंगलों की कटाई इस प्रवृत्ति को तेज कर रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट और डामर की अधिकता के कारण हीट आइलैंड प्रभाव उत्पन्न होता है जिससे शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक हो जाता है। सर्दियों में अपेक्षित वर्षा और हिमपात में कमी भी ठंड के प्रभाव को सीमित कर देती है और तापमान तेजी से ऊपर चला जाता है। वसंत के सिमटने का असर प्रकृति पर स्पष्ट है।

सीधी गर्मी आने के पीछे कई कारण हैं। वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा धरती की सतह से उत्सर्जित ऊष्मा को रोक लेती है जिससे तापमान बढ़ता है। औद्योगीकरण वाहनों की बढ़ती संख्या ऊर्जा की अत्यधिक खपत और जंगलों की कटाई इस प्रवृत्ति को तेज कर रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट और डामर की अधिकता के कारण हीट आइलैंड प्रभाव उत्पन्न होता है जिससे शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक हो जाता है। सर्दियों में अपेक्षित वर्षा और हिमपात में कमी भी ठंड के प्रभाव को सीमित कर देती है और तापमान तेजी से ऊपर चला जाता है। वसंत के सिमटने का असर प्रकृति पर स्पष्ट है। पहले सरसों के खेत कई दिनों तक पीले फूलों से लहराते थे और पेड़ों पर नई कोपलें धीरे धीरे खिलती थीं। अब तेज गर्मी के कारण फसल जल्दी पक रही है और फूलों का जीवनकाल कम हो रहा है। अमलतास गुलाब और चमेली की सुगंधित उपस्थिति भी प्रभावित हो रही है। पतझड़ और नई पत्तियों के आने का क्रम असंतुलित हो गया है जिससे परागण प्रक्रिया और जैव विविधता पर प्रभाव पड़ सकता है।

कृषि क्षेत्र के लिए यह परिवर्तन चुनौतीपूर्ण है। समय से पहले तापमान बढ़ने से गेहूं जैसी रबी फसलों की उपज प्रभावित हो सकती है। मिट्टी की नमी जल्दी समाप्त होती है और सिंचाई की मांग बढ़ जाती है। यदि मार्च और अप्रैल में ही लू जैसे हालात बनते हैं तो किसानों की लागत बढ़ेगी और उत्पादन घट सकता है। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि खाद्य सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न भी है।

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी यह स्थिति चिंता का विषय है। यदि फरवरी में ही गर्मी बढ़ती रही तो हीटवेव का खतरा पहले उत्पन्न हो सकता है। बुजुर्ग बच्चों और श्रमिक वर्ग को अधिक सावधानी की आवश्यकता होगी। जल की कमी और बिजली की बढ़ती मांग से सामाजिक दबाव बढ़ सकता है। अस्पतालों में डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रेस के मामलों में वृद्धि की आशंका रहती है।

जहां तक आगे ठंड बढ़ने की संभावना का प्रश्न है तो अल्पकाल में पश्चिमी विक्षोभ के कारण कुछ दिनों के लिए बादल और वर्षा हो सकती है जिससे तापमान में हल्की गिरावट आएगी। पश्चिमी हिमालय में वर्षा और बर्फबारी का प्रभाव मैदानी क्षेत्रों तक महसूस हो सकता है परंतु दीर्घकालिक प्रवृत्ति गर्मी की ओर झुकी हुई है। इसलिए यह मानना उचित होगा कि मौसम में अस्थिरता बनी रहेगी और वसंत की पारंपरिक अवधि छोटी होती जाएगी।

निवारण के लिए बहुआयामी प्रयास आवश्यक हैं। कार्बन उत्सर्जन में कमी सबसे महत्वपूर्ण कदम है। सौर और पवन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना होगा। सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना चाहिए। वृक्षारोपण और हरित क्षेत्रों का विस्तार स्थानीय तापमान को नियंत्रित करने में सहायक होगा। जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को प्राथमिकता देनी चाहिए। नीति निर्माण में दीर्घकालिक पर्यावरणीय दृष्टिकोण अपनाना समय की मांग है।

व्यक्तिगत स्तर पर भी जिम्मेदारी निभानी होगी। ऊर्जा की बचत जल का संयमित उपयोग और पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाना आवश्यक है। स्कूलों और सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से जागरूकता बढ़ानी चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां प्रकृति के संतुलन को समझ सकें।

सिमटता वसंत केवल मौसम का बदलाव नहीं बल्कि चेतावनी है कि प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में ऋतुओं की पहचान धुंधली हो सकती है। वसंत का सुकून फिर लौट सकता है यदि मानव समाज विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करे। यह समय चिंतन का भी है और संकल्प का भी ताकि भविष्य की पीढ़ियां केवल यादों में नहीं बल्कि वास्तविक अनुभव में भी वसंत की मधुरता महसूस कर सकें।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8640

1			2		3		4	5
		6			7	8		
9	10			11		12	13	
			14		15			
16					17			
			18	19				
20		21				22		23
		24	25		26			
27			28				29	

बाएँ से दाएँ

1. भीगा हुआ-2
2. गाने वाला-3
4. दिया, चिराग-2
6. केश-2
7. जिससे ताला खुलता है-2
9. सूरमा -3
12. नख-3
14. तेरह गुणा चार-3
16. एक जैसा तल-4
17. दरवाजे की आवाज-2,2
18. कड़ा, तेज-3
20. आँखों के ऊपर की परत-3
22. साधुवाद देना, वाह-वाह-3
24. पुत्र, एक रंग-2
26. तुम का आदर सूचित शब्द-2
27. पत्र-2
28. आश्चर्य-3
29. तट, किनारा-2

ऊपर से नीचे

1. छोटा गीत-3
2. मुँह के दोनों ओर का भाग-2
3. जो पका न हो-2
5. हवा, वायु-3
6. बच्चा, बालक-2
8. वीणा, एक वाद्य-2
10. जितेन्द्र व रेखा की एक फिल्म-2,3
11. मूल्य, दर-2
13. मारकाट-5
14. बच्चा-3
15. नाज, अदा-3
19. पंजाब की एक नदी-2
20. जांच-पड़ताल-3
21. हुनर-2
22. बद्दुआ-2
23. नगर-3
25. बेल, कोमल लम्बा पौधा-2
26. फूलों का प्राकृतिक रस-2

शब्द पहेली-8639 का हल

त	मा	शा	ई		ह	जा	म	त
ल	ता		मा	ज	रा		त	ह
वा			न		र	न		री
र	ह	न		न	त	म	स्त	क
		शे		य		की		
ना	मु	म	कि	न		न	मा	ज
वा		न	फा		स			रु
कि	म		य	म	न		द	र
फि	त	र	त		क	रा	मा	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

16 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

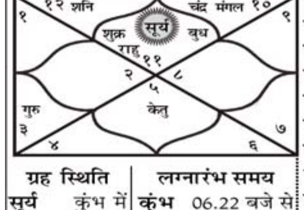

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	कुंभ	06.22 बजे से
चंद्र	मकर में	मीन	07.58 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.29 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.09 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.07 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.20 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.37 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	19.49 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	21.59 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	00.14 ब.से
7.30 से 9.00		धनु	02.30 बजे से
बजे तक		मकर	04.35 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 47 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 17.35 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 20.48 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 01.50 बजे रात्र को समाप्त।
करण शकुनि 17.35 बजे तदनन्तर चतुष्पद 05.37 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 12° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872622
जूलियन दिन 2461087.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान
तारीख 27

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

वृत्त स्तरीय गिद्ध गणना कार्यशाला संपन्न

उमरिया । बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के ईको सेंटर ताला में प्रदेशव्यापी शीतकालीन गिद्ध गणना वर्ष 2025-26 हेतु वृत्त स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में वन वृत्त शहडोल अंतर्गत उत्तर शहडोल, दक्षिण शहडोल, उमरिया, अनूपपुर एवं बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया के समस्त उप वनमण्डलाधिकारी तथा परिक्षेत्र अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यशाला में वल्चर कमेटी के सदस्य एवं मास्टर ट्रेनर दिलशेर खान द्वारा मध्य प्रदेश में देखे जाने वाले स्थायी एवं प्रवासी गिद्ध प्रजातियों की पहचान एवं रहवास के सम्बंध में प्रस्तुतीकरण दिया गया। कार्यशाला में मोहन नागवानी द्वारा इस वर्ष गिद्ध गणना में प्रयोग किए जाने वाले मोबाइल एप्लीकेशन म्पबवसससमबज5 वंजं संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में उपस्थित क्षेत्र संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व उमरिया द्वारा प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना के गिद्ध संरक्षण में महत्व पर जानकारी प्रदान की गई। उप संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व द्वारा कार्यशाला में उपस्थित समस्त अधिकारियों को मैदानी अमले को भी प्रशिक्षण प्रदाय करने के निर्देश दिए। कार्यशाला के अंत में आभार प्रदर्शन उपवनमंडल अधिकारी पनपथा द्वारा किया गया। मध्य प्रदेश में 20 फरवरी से 22 फरवरी तक मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से गिद्ध गणना की जाएगी। कार्यशाला का उद्देश्य क्षेत्रीय अधिकारियों एवं वन कर्मचारियों को गणना हेतु नवीन पद्धतियों से अवगत कराकर प्रशिक्षण प्रदान करना था।

जिले में संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्राप्त हुए 18868 आवेदन

शहडोल । पात्र हितग्राहियों को भारत सरकार एवं राज्य शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं एवं उन योजनाओं में जिनके लक्ष्य निर्धारित हैं, लक्ष्य अनुरूप लाभ एवं शासन द्वारा प्रदाय की जा रही सेवाओं का लाभ प्रदान करने के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु शासन द्वारा संकल्प से समाधान अभियान संचालित किया गया है। अभियान का प्रथम चरण में 12 जनवरी से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में दल गठित कर जन सामान्य से आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति ने बताया कि संकल्प से समाधान अभियान के तहत अभी तक जिले में 18868 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 17631 आवेदनों का निराकरण कर दिया गया हैं, निराकरण का प्रतिशत 93.44 है। जनपद पंचायत ब्यौहारी में 1512 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 1511 आवेदनों का निराकरण किया गया।, जनपद पंचायत सोहागपुर में 2877 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 2739 आवेदनों का निराकरण किया गया। जनपद पंचायत गोहपारू में 1608 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 1158 आवेदनों का निराकरण किया गया। जनपद पंचायत बुढ़ार में 1567 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 1562 आवेदनों का निराकरण किया गया। इसी प्रकार नगरीय निकायों में नगरपालिका शहडोल में 2751 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 2458 आवेदनों का निराकरण किया गया। नगरपालिका धनपुरी में 2103 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 2052 आवेदनों का निराकरण किया गया। नगरपरिषद ब्यौहारी में 1163 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 1129 आवेदनों का निराकरण किया गया। नगरपरिषद बकहो में 928 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 928 आवेदनों का निराकरण किया गया। नगरपरिषद खांड में 197 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 178 आवेदनों का निराकरण किया गया। नगरपरिषद बुढ़ार में 180 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 179 आवेदनों का निराकरण किया गया। नगरपरिषद जयसिंहनगर में 97 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 94 आवेदनों का निराकरण किया गया।

नेशनल लोक अदालत 14 मार्च को

उमरिया । न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि 14 मार्च 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में न्यायिक प्रकरण आपराधिक, सिविल,श्रम,मोटरयान दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय के लंबित , प्रिलिटिगेशन के समझौता योग्य प्रिलिटिगेशन के रूप में सभी बैंको के प्रकरण, नगर पालिका समकेतिक कर एवं जलकर एवं विद्युत प्रकरणों का निराकरण भी किया जावेगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया ने अधिवक्ताओं एवं जनमानस से अपील की है कि नेशनल लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा आपसी सुलह समझौता के माध्यम से 14 मार्च 2026 को निपटारा कराएं एवं नेशनल लोक अदालत का फायदा उठाएं।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफतार

उमरिया। पाली थाना क्षेत्र में दर्ज एक गंभीर आपराधिक मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम बकेली निवासी अमृत सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफभारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1), 127(3) और 351(3) के तहत प्रकरण कायम किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई कि आरोपी ने उसे अपने घर बुलाकर अंदर से बंद कर दिया और उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। भय और दबाव के बीच किसी तरह बाहर निकलकर पीड़िता ने अपने परिजनों को पूरी बात बताई, जिसके बाद मामला थाने तक पहुंचा। शिकायत मिलते ही पाली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। प्रारंभिक जांच के बाद आरोपी की तलाश शुरू की गई और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है और बयान दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। साथ ही घटनास्थल से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों को भी एकत्र किया जा रहा है, ताकि जांच मजबूत आधार पर आगे बढ़ सके। इस घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में चिंता का माहौल है। स्थानीय लोग महिला सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

धनपुरी से लेकर पूरे कोयलांचल क्षेत्र में कोल डस्ट बनी बड़ी समस्या

विजय मत, धनपुरी

धनपुरी सहित पूरा कोयलांचल क्षेत्र कोयला खदानों की इर्द-गिर्द बसा हुआ है यही कारण है कि बड़ी संख्या में शहर की सड़कों से कोयले से भर बड़े-बड़े वाहन आवा गमन करते हैं जिस कारण से सड़क की हालत तो जर्जर हो ही रही है लेकिन उससे बड़ी समस्या लोगों के लिए कोल डस्ट बन गई है पूरे दिन सड़कों पर उड़ती धूल आवागवन करने वाले लोगों के लिए सबसे बड़ी परेशानी का कारण बन रही है वर्तमान समय में अगर देखा जाए तो गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है और इस मौसम में यह समस्या और भी गंभीर होती है जिस कारण से शाम होते ही सड़कों पर धुएं का गुबार नजर आता है और सड़क के इस पर उसे पर देखना भी लोगों के लिए मुश्किल हो जाता है एक तरफ अगर देखा जाए तो एसईसीएल सोहागपुर प्रबंधन कोयला खदानों में कोयला उत्पादन कर करोड़ो अरबो का लाभ अर्जित करती है लेकिन यहां निवास करने वाले लोगों के लिए सुविधा कितनी दी जाती है इसे भी देखा जा सकता है यही कारण है कि अब लोगों में आक्रोश भी बढ़ता जा रहा है जो कि कभी भी बड़े आंदोलन का रूप ले सकती है सवाल इस बात का उठता है कि आखिर इस समस्या के समाधान को लेकर कोई ठोस प्रयास क्यों नहीं किया जा रहा है कई वर्षों से शहर के अंदर यह समस्या बनी हुई है इस समस्या को लेकर

सड़कों पर पूरे दिन उड़ती धूल से लोगों की बढ़ती है परेशानी

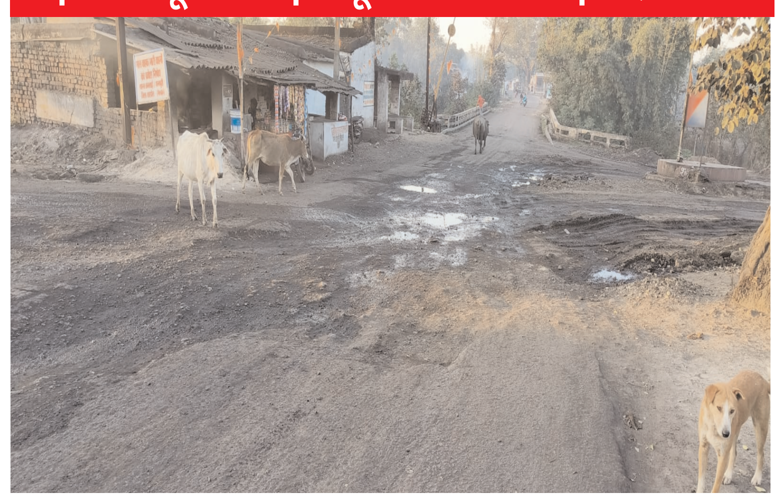

कई बार आंदोलन भी हुआ लेकिन आज भी अगर देखा जाए तो इसका ठोस नतीजा कुछ निकला हो ऐसा नजर नहीं आया।

इन सड़कों पर कोल डस्ट की समस्या सबसे अधिक

धनपुरी से लेकर पूरे कोयलांचल क्षेत्र में अगर देखा जाए तो कोयले के डस्ट के कारण इन तीन सड़क मार्गों पर सबसे अधिक समस्या नजर आती है इनमें सुभाष चौक से लेकर रेलवे फाटक तक बघइया नाले से लेकर अमलाई ओपन कास्ट तक और धनपुरी के मुख मार्ग पर भी पिछले कुछ दिनों से यह समस्या एक गंभीर समस्या का रूप ले चुकी है यहां की सड़कों पर अगर देखा जाए तो पूरे दिन कोयले के बड़े-बड़े वाहन सड़क पर चलते हैं जिस कारण से कोयले के छोटे-छोटे टुकड़े सड़कों पर ही गिरते रहते हैं और धीरे-धीरे यही छोटे-छोटे कोयले के टुकड़े डस्ट का रूप ले लेती है जो फिर लोगों के लिए एक बड़ी परेशानी का कारण बनती है इन सड़कों पर पूरे दिन हालात कैसे रहते हैं इसे देखा जा सकता है सवाल इस बात का उठना है कि आखिर इस समस्या के समाधान को लेकर कोई ठोस प्रयास क्यों नहीं किया जाता सुभाष चौक से लेकर फाटक तक कोयले की डस्ट की समस्या सबसे अधिक देखी जाती है यहां अगल-बगल निवास करने वाले लोग इस कारण से परेशान है इतना ही नहीं यही ठीक पास में साइडिंग भी है जहां पर बैगनों पर जब कोयला भरा जाता है तो यह समस्या और भी अधिक हो जाती है यही कारण है कि अब इसे लेकर लोगों में धीरे-धीरे आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है।

कोल डस्ट के कारण बढ़ रही है कई गंभीर बीमारियां

सड़कों पर उड़ता कोयले का डस्ट किस तरह से धीरे-धीरे लोगों की परेशानियों को बढ़ा रहा है इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है जब कोई सड़क पर चलता है तो अपने चेहरे को पूरी तरह से ढकने को मजबूर होता है लेकिन इसके बाद भी यह समस्या उसी तरह बनी रहती है वहीं दूसरी तरफ कई वर्षों से शहर में कोयले की डस्ट की समस्या देखी जा रही है और इस कारण से कई गंभीर बीमारियां भी बढ़ती जा रही है एक तरफ जहां एसईसीएल प्रबंधन कोयले से करोड़ों रुपए का लाभ कमा रही है तो दूसरी तरफ यहां के नागरिकों को इस कोयले के डस्ट के कारण कई गंभीर बीमारियों का शिकार होना पड़ रहा है जिस कारण लोगों में नाराजगी भी बढ़ रही है जो कभी भी किसी भी बड़े आंदोलन का रूप ले सकती है।

नहीं होता पानी का छिड़काव

कोयलांचल क्षेत्र में कोल डस्ट की समस्या कई वर्षों से देखी जा रही है पूर्व में यह देखा जाता था की सुबह शाम दो बार महाप्रबंधक कार्यालय से लेकर रेलवे फाटक तक पानी का छिड़काव किया जाता था पानी के छिड़काव होने से काफी हद तक राहत देखी जाती थी लेकिन वर्तमान समय में ऐसा कुछ भी देखा नहीं जा रहा है पूरे दिन बड़ी संख्या में कोयले से भारी वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं और इस डस्ट जो उड़ती है वह आसपास के लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती है पानी का छिड़काव कभी होता है तो कभी नहीं होता है जो इस बात को भी दर्शाता है कि प्रबंधन नागरिकों को सुविधाएं देने में कितनी गंभीर नजर आती है हालात तो इस तरह से भी रहते हैं कि कोयलांचल क्षेत्र की सड़कों पर अंधेरा होते ही सड़क पर चलना भी मुश्किल हो जाता है पूरी तरह से डस्ट सड़कों पर नजर आती है इस कारण से सड़क के इस पर उस पर देखना भी मुश्किल हो जाता है।

नगर पालिका सभागार में राजस्व वसूली को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई संपन्न

विजय मत, धनपुरी

धनपुरी नगर पालिका सभागार में विगत दिनों राजस्व वसूली एवं जलकर बकाया को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई इस बैठक में नगर पालिका धनपुरी की अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर छाबड़ा मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर नगर पालिका उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल के साथ-साथ सभी वार्ड प्रभारी एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी मौजूद थे।मार्च महीने को देखते हुए नगर पालिका के समस्त वार्ड में राजस्व वसूली को लेकर लगातार नगर पालिका के द्वारा अभियान चलाया जा रहा है और वसूली में तेजी लाने के निर्देश भी दिए जा रहे हैं लेकिन अभी भी जो राजस्व की वसूली है वह काफी धीमी गति से हो रही है और इसी को लेकर बैठक बुलाई गई थी।

बैठक में नगर पालिका धनपुरी के अध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कहा कि राजस्व वसूली को लेकर शासन के जो निर्देश हैं उस निर्देश के अनुसार वसूली में तेजी लाएं अभी भी बड़ी संख्या में लोग बकायेदार हैं और जो लक्ष्य दिया गया है उस लक्ष्य से भी नगर पालिका धनपुरी अभी काफी पीछे है जिसे देखते हुए राजस्व वसूली को लेकर और तेजी लाएं इस मौके पर नगर पालिका अधिकारी ने सभी वार्ड प्रभारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है उसे निभाएं अधिक से अधिक राजस्व की वसूली हो इस पर ही ध्यान दिया जाए उन्होंने इस मौके पर इस बात को भी कहा कि राजस्व वसूली को लेकर जिन्हे जिन्हे जिम्मेदारी दी गई है अगर वसूली में लापरवाही देखी गई तो कार्रवाई भी की जाएगी।नगर के अंदर अगर देखा जाए तो राजस्व वसूली को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है वैसे तो पूर्व की अपेक्षा में वर्तमान समय में वसूली में काफी सुधार भी देखने को मिला है लेकिन अभी भी जिस हिसाब से राजस्व की वसूली होनी चाहिए उसमें नगर पालिका धनपुरी अभी भी काफी पीछे है इन्हीं सब बात को देखते हुए नगर पालिका अधिकारी के द्वारा यह बैठक बुलाई गई थी जिसमें कई दिशा निर्देश दिए गए हैं।

ब्यौहारी बस स्टैंड पर फिर फैली अव्यवस्था, शहडोल हादसे के बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्था

विजय मत, शहडोल

7 दिसंबर को शहडोल में ड्यूटी पर तैनात पुलिस आरक्षक महेश पाठक की बस से कुचलकर हुई दर्दनाक मौत के बाद प्रशासनिक अमला हरकत में आया था। यातायात पुलिस, आरटीओ और जिला प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सड़क पर उतरकर व्यवस्था सुधारने के दावे किए थे। चालानी कार्रवाई और सख्त निगरानी का भरोसा दिलाया गया, लेकिन यह सक्रियता कुछ ही दिनों तक सीमित रही। डेढ़ माह बीतते-बीतते सख्ती ठंडी पड़ गई और व्यवस्थाएं फिर ढीली पड़ती नजर आने लगीं।

सड़क पर खड़ी हो रहीं बसें, बढ़ा हादसे का खतरा

ब्यौहारी बस स्टैंड के सामने मुख्य सड़क पर आज भी बसें खुलेआम खड़ी होकर यात्रियों को चढ़ा-उतार रही हैं। स्टैंड परिसर के अंदर पर्याप्त जगह होने के बावजूद वाहन चालक सड़क को ही अस्थायी स्टॉप बना रहे हैं। इससे दिनभर जाम की स्थिति बनती है और राहगीरों को जोखिम उठाकर सड़क पार करनी पड़ती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही और मनमानी पार्किंग से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

आरटीओ और यातायात विभाग की ढीली निगरानी

शुरुआती कार्रवाई के बाद आरटीओ और यातायात विभाग की मौजूदगी अब शायद ही कभी दिखाई देती है। नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से

बस संचालकों के हौसले बुलंद हैं। नगर पालिका भी अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग को नियंत्रित करने में असफल साबित हो रही है। विभागों के बीच समन्वय की कमी साफ झलक रही है।

लोगों में आक्रोश, स्थायी समाधान की मांग

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन हर बार किसी बड़ी घटना के बाद ही सक्रिय होता है और कुछ दिनों बाद सब कुछ पहले जैसा हो जाता है। लोगों में आक्रोश है कि यदि दोबारा कोई हादसा होता है तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। नागरिकों ने यातायात एवं परिवहन विभाग से स्थायी और कड़े कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी निर्दोष को अपनी जान न गंवानी पड़े।

अवैध सट्टा खिलाने वाले गिरोह पर सोहागपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो आरोपियों पर कार्यवाही

विजय मत, धनपुरी

जिले में अवैध जुआ/सट्टा गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु शहडोल पुलिस द्वारा की जारही सतत् कार्यवाही के तहत थाना सोहागपुर पुलिस द्वारा अवैध सट्टा खिलाने वाले 02 आरोपियों पर कार्यवाही की गयी है।

दिनांक 14/02/2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सोहागपुर गढ़ी क्षेत्र में राजेश सोनी उर्फ पप्पू पिता श्री दानीराम सोनी अपने घर के सामने रूपये-पैसों की हारजीत की बाजी लगाकर अवैध सट्टा पर्ची लिखकर सट्टा का खेल खिला रहा है। सूचना की तस्दीक उपरांत सोहागपुर पुलिस टीम द्वारा तत्काल रेड कार्यवाही की गई। मौके पर आरोपी राजेश सोनी उर्फ पप्पू को सट्टा खिलाते हुए पकड़ा गया। उसके कब्जे से निम्न सामग्री जप्त की गई - 17 नग सट्टा पर्ची, 02 नग कार्बन के टुकड़े, नगदी रकम 17,810/- रुपये, 03 डाट पेन, 01 नग दप्ती, 01 नग कैलकुलेटर, 01 नग स्र्स्स्हत कंपनी का चालू मोबाईल जप्त किया गया।

पूछताछ में आरोपी द्वारा बताया गया कि वह अपने साथी विनीत द्विवेदी उर्फ लालन द्विवेदी निवासी सोहागपुर (हाल पता - जरवाही, थाना सोहागपुर) के साथ मिलकर सट्टा पर्ची का अवैध कारोबार संचालित कर रहा था। आरोपी राजेश द्वारा सट्टा पर्चियों का टोटल अंक मोबाइल फोन के माध्यम से विनीत द्विवेदी को भेजा जाता था तथा प्रतिदिन सट्टा बुकिंग एवं राशि का हिसाब दिया जाता था। पुलिस द्वारा आरोपी विनीत द्विवेदी उर्फ लालन द्विवेदी को दस्तयाब कर पूछताछ की गई, जिसने बताया कि वह इतवारी मोहल्ला, थाना कोतवाली जिला शहडोल निवासी एक अन्य व्यक्ति के साथ साझेदारी में सट्टा संचालन कर रहा था। आरोपी विनीत द्विवेदी के कब्जे से निम्न सामग्री जप्त की गई - 01 नग सिंघई कंपनी का रजिस्टर (जिसके पृष्ठों में सट्टा के अंक लेख पाए गए), 01 नग कैलकुलेटर, 02 नग डाट पेन, 01 नग वीवो कंपनी का मोबाईल (जिसमें जियो कंपनी का सिम सक्रिय)आरोपीगण- 1. राजेश सोनी उर्फ पप्पू पिता श्री दानीराम सोनी, उम्र 40 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 02 भंडारी मंदिर के पास, सोहागपुर गढ़ी, थाना सोहागपुर जिला शहडोल

2.विनीत द्विवेदी उर्फ लालन द्विवेदी, निवासी सोहागपुर (हाल पता - जरवाही, थाना सोहागपुर)तथा अन्य एक व्यक्ति निवासी इतवारी मोहल्ला, थाना कोतवाली, जिला शहडोलके विरुद्ध पब्लिक गेंम्बलिंग एक्ट एवं बी.एन.एस. के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। सराहनीय भूमिका - थाना प्रभारी सोहागपुर निरीक्षक अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में सउनि. संतोष कोल, प्र.आर. शैलेन्द्र रावत, प्र.आर. राजकुमार जायसवाल, आर. त्रिलोक सिंह, आर. विवेक झारिया एवं म.आर. मेनका धूमकेती की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा दे रही है प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना

विजय मत, शहडोल

असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले करोड़ों श्रमिकों को बुढ़ापे में आर्थिक सहारा देने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना चलाई जा रही है। इस योजना की शुरुआत वर्ष 2019 में की गई थी, ताकि छोटे-मोटे काम करने वाले लोगों को 60 वर्ष की आयु के बाद नियमित पेंशन मिल सके।

इस योजना के अंतर्गत पात्र श्रमिकों को 60 वर्ष की उम्र पूरी होने के बाद ?3000 प्रति माह पेंशन प्रदान की जाती है। योजना में जितना अंशदान श्रमिक करता है, उतना ही योगदान केंद्र सरकार भी करती है। यह पेंशन आजीवन मिलती है और सदस्य की मृत्यु के बाद उनके पति या पत्नी को 50 प्रतिशत फैमिली पेंशन देने का भी प्रावधान है।इस योजना का लाभ वे श्रमिक उठा सकते हैं जिनकी उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच हो और मासिक आय ?15,000 से कम हो। इसमें मजदूर, रिक्शा चालक, घरेलू कामगार, किसान मजदूर, दुकानों में काम करने वाले कर्मचारी सहित अन्य असंगठित क्षेत्र के कामगार शामिल हैं। आवेदन के लिए आधार कार्ड, बैंक खाता और मोबाइल नंबर होना अनिवार्य है। साथ ही आवेदक का ईपीएफओ या एनपीएस का सदस्य नहीं होना चाहिए।मासिक अंशदान योजना में अंशदान उम्र के अनुसार तय किया गया है। 18 वर्ष की उम्र में लगभग 55 प्रति माह, 25 वर्ष में लगभग 80 प्रति माह, 30 वर्ष में लगभग 100 प्रति माह, 40 वर्ष में लगभग 200 प्रति माह इतनी ही राशि सरकार द्वारा भी जमा की जाती है।

समस्या हर साल सफाई के नाम पर कालरी प्रबंधन कर रही लाखों खर्च फिर भी कॉलोनी में बेपटरी सफाई व्यवस्था

कालोनियों का अधिकारी नहीं करते निरीक्षण यही कारण है की बरकरार है समस्या

विजय मत, धनपुरी

हर साल श्रमिक कॉलोनी में सफाई व्यवस्था को लेकर लाखों रुपए का ठेका एसईसीएल सोहागपुर प्रबंधन के द्वारा दिया जाता है ताकि कॉलोनी में सफाई व्यवस्था बेहतर रहे लेकिन लाखों का ठेका देने के बाद भी श्रमिक कॉलोनीयों का हाल क्या है यह वहां पर देखकर ही पता चलता है वैसे तो कुछ श्रमिक कॉलोनी में सफाई व्यवस्था नगर पालिका के द्वारा कराई जा रही है जहां पर सफाई ठीक भी नजर आती है लेकिन जहां-जहां एरिया प्रबंधन के द्वारा सफाई का ठेका दिया गया है वहां पर सफाई का क्या हाल है यह तस्वीर की उन कॉलोनी में देखकर पता चलती है वर्तमान समय में अगर देखा जाए तो संजय नगर कॉलोनी रीजनल कॉलोनी राजेंद्र कॉलोनी अरझूला कॉलोनी यहां पर सफाई के नाम पर लाखों रुपए का ठेका दिया गया है लेकिन सफाई व्यवस्था पूरी तरह से पटरी से उतरती हुई देखी जा रही है यही कारण है कि लगातार

इस पर सवाल भी उठ रहे हैं लेकिन जिम्मेदार इस पर किसी तरह का ध्यान नहीं दे रहे हैं वहीं दूसरी ओर देखा जाए तो लाखों का ठेका देने के बाद भी सफाई हो रही है या नहीं इसका निरीक्षण एरिया सिविल विभाग के अधिकारी नहीं करते यही कारण है की समस्या बरकरार इन कॉलोनी में देखने को मिलती है।

सबसे पहले अगर बात संजय नगर कॉलोनी को लेकर की जाए तो यह एरिया की सबसे बड़ी श्रमिक कॉलोनी है और इस कॉलोनी में सबसे अधिक समस्या भी नजर आती है पूरे कॉलोनी में हर तरफ गाजर घास देखा जा सकता है नालियां पूरी तरह से जाम है कचरा जहां-तहां नजर आते हैं जो इस तस्वीर को बताती है कि कॉलोनी में सफाई व्यवस्था का क्या हाल है समय-समय पर कंपनी वेलफेयर बोर्ड के सदस्य एरिया वेलफेयर बोर्ड के सदस्य कॉलोनी का निरीक्षण करते हैं वहां की समस्याओं को देखते हैं प्रबंधन को इससे अवगत भी करते हैं उसे समय पर व्यवस्था ठीक करने की बात तो कह दी जाती है लेकिन व्यवस्था ठीक कितनी होती है यह तो वहां के हालात देखकर ही पता चलते हैं सवाल इस बात का उठता है कि जिस सफाई व्यवस्था के नाम पर लाखों का ठेका दिया जाता है सफाई ही नहीं होती भुगतान किस बात का किया जा रहा है आज भी अगर इस कॉलोनी का निरीक्षण सिविल विभाग के अधिकारी करें तो यहां की व्यवस्था किस तरह से नजर आती है यह साफ तौर पर देखा जा सकता है सवाल इस बात का भी उठता है कि लगातार एरिया श्रम संगठन के पदाधिकारी के द्वारा भी इन समस्याओं से प्रबंधन को अवगत कराया जाता है तो फिर इस पर ध्यान क्यों नहीं दिया जाता।

अब बात रीजनल कॉलोनी को लेकर की जाए तो इस कॉलोनी की सफाई व्यवस्था भी इन दोनों कई सवाल खड़े कर रही है कॉलोनी में गाजर घास हर तरफ नजर आ रही है नालियां पूरी तरह से जर्जर है सड़कों का हाल भी खस्ता हाल है इतना ही नहीं शाम होते ही कॉलोनी में जगह-जगह अंधेरा नजर आने लगता है जो कि यहां की समस्याओं को बढ़ा रहा है सफाई व्यवस्था को लेकर सबसे अधिक सवाल उठ रहे हैं यहां पर भी सफाई का ठेका प्रबंधन के द्वारा दिया गया है ताकि कॉलोनी में नियमित सफाई व्यवस्था होती रहे लेकिन हालात कैसे हैं इसे देखा जा सकता है इस कॉलोनी में कई अधिकारियों का निवास है इसके बाद भी जब इस तरह के हालात इस कॉलोनी में है तो इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है।

न्यूज़ इन शॉर्ट

खनिज चोरी के विरुद्ध ब्यौहारी पुलिस की प्रभावी कार्यवाही, ट्रैक्टर मय रेत जप्त

शहडोल। ब्यौहारी पुलिस बल कस्बा भ्रमण एवं अपराध की विवेचना हेतु रवाना था। इसी दौरान ग्राम खामडाड़ में मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि खामडाड़ नदी से अवैध रूप से रेत उत्खनन कर एक सोनालिका ट्रैक्टर व हरे रंग की ट्रॉली सहित रेत लोड कर नदी पार करकरिहा टोला की ओर खड़ा है। सूचना पर तत्काल ब्यौहारी पुलिस दल द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। मौके पर बिना पंजीयन नंबर का सोनालिका ट्रैक्टर रेत से लोड अवस्था में खड़ा मिला। चालक से पूछताछ पर उसने अपना नाम राहुल उर्फ सोनू खैरवार पिता राजेन्द्र उर्फ राजन खैरवार, उम्र 30 वर्ष, निवासी खामडाड़ बताया। चालक से रेत परिवहन संबंधी वैध रायल्टी/टी.पी. एवं वाहन दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, जो मौके पर प्रस्तुत नहीं किए गए। पूछताछ में चालक द्वारा उक्त रेत खामडाड़ नदी से अवैध रूप से उत्खनन कर ट्रैक्टर मालिक हिमांशु सिंह उर्फ अजय सिंह निवासी सूखा के कहने पर परिवहन हेतु ले जाना स्वीकार किया गया। उक्त कृत्य प्रथम दृष्टया भारतीय न्याय संहिता, खनिज अधिनियम तथा मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत दंडनीय पाए जाने से ट्रैक्टर स्वामी एवं चालक के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जिसके बाद ब्यौहारी पुलिस द्वारा उक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली व उक्त में लोड अवैध रेत जप्त किया गया। जप्तशुदा सोनालिका ट्रैक्टर मय ट्रॉली को थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया। उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी ब्यौहारी निरी. जियाउल हक के नेतृत्व में उ.नि. सुरेश कुमार रैदास एवं आर. रामजी गौतम की सराहनीय भूमिका रही।

वन कर्मियों से मारपीट व शासकीय कार्य में बाधा डालने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

शहडोल । वन विभाग के कर्मचारियों से मारपीट कर शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने के मामले में सोहागपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।थाना सोहागपुर में इस संबंध में रामनरेश विश्वकर्मा, वन परिक्षेत्राधिकारी, पिता शिवप्रसाद विश्वकर्मा, उम्र 48 वर्ष, निवासी ग्राम फरहदा तहसील मऊगंज, थाना लौर, जिला मऊगंज, हाल निवासी गांधी चौक फॉरेस्ट कॉलोनी थाना कोतवाली जिला शहडोल द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना सोहागपुर में अपराध क्रमांक 58/26 अंतर्गत धारा 132, 296(ए), 127(1), 324(3), 3(5), 190, 191(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।विवेचना के दौरान दिनांक 14 फरवरी 2026 को पुलिस ने आरोपियों राजू सिंह उर्फ राकेश सिंह पिता रविनाथ सिंह उम्र 50 वर्ष, चिन्टू सिंह उर्फ जितेन्द्र सिंह पिता रामजी सिंह बघेल उम्र 34 वर्ष एवं बेटन सिंह उर्फ बृजेश सिंह पिता रविनाथ सिंह उम्र 54 वर्ष, तीनों निवासी ग्राम बड़खेरा, थाना सोहागपुर, जिला शहडोल को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों को माननीय न्यायालय शहडोल के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। मामले में वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी सोहागपुर निरीक्षक अरुण कुमार पाण्डेय, उप निरीक्षक आनंद कुमार झारिया, सहायक उप निरीक्षक रामनारायण पाण्डेय, प्रधान आरक्षक 266 मनोज शुक्ला, प्रधान आरक्षक 219 संतोष सिंह, प्रधान आरक्षक 535 रामनिवास पाण्डेय एवं आरक्षक जगन्नाथ की सराहनीय भूमिका रही।

प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन पर देवलोंद पुलिस की कार्यवाही, अवैध रेत जप्त

शहडोल। परीक्षा सुरक्षा व्यवस्था ड्यूटी हेतु रवाना पुलिस बल को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि गोपालपुर सोन नदी क्षेत्र, जो सोन घड़ियाल प्रतिबंधित क्षेत्र के अंतर्गत आता है, से एक नीले रंग का स्वराज कंपनी का ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध रूप से रेत उत्खनन कर भरी हुई ट्रॉली के साथ बाहर निकल रहा है। सूचना पर देवलोंद पुलिस दल तत्काल गोपालपुर रेत उत्खनन घाट, सोन नदी पहुंचा। मौके पर पुलिस बल को देखकर ट्रैक्टर चालक विनय मिश्रा ने ट्रैक्टर को तेज गति से भगाने का प्रयास किया, जिससे रेत से भरी ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया। उक्त घटना के बाद थाने से अतिरिक्त बल को सूचित कर एवं स्थानीय निवासी के सहयोग से पलटी हुई ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीधा कराया गया, जिसके बाद उक्त नीले रंग की बिना नंबर की ट्रॉली, जिसमें लगभग आधी ट्रॉली रेत भरी हुई थी, जप्त किया गया। उक्त ट्रॉली को अन्य ट्रैक्टर इंजन से टोचन कर थाना परिसर लाकर सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। प्रकरण में ट्रैक्टर चालक विनय मिश्रा एवं वाहन स्वामी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, खनिज अधिनियम, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, भारतीय वन अधिनियम तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। देवलोंद पुलिस द्वारा फरार व्यक्ति की सतत् तलाश जारी है। उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी देवलोंद उ.नि. सुभाष दुबे के नेतृत्व में उप निरीक्षक हरिभान सिंह परस्ते, सहायक उप निरीक्षक इंदलाल पुरी, प्र.धान आर. रेयाज खान, प्रधान आरक्षक दिनेश शुक्ला, आर. सतीष मिश्रा, आरक्षक सौरभ मिश्रा, की सराहनीय भूमिका रही।

हर हर महादेव के जयघोष से गूंजे मंदिर

श्रद्धा भक्ति में डूबा नगर, रुद्राभिषेक करने शिवालयों में लगा भक्तों का मेला

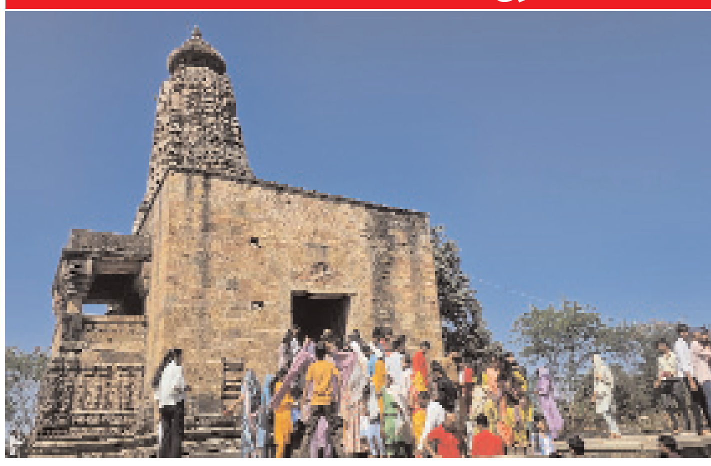

विजय मत, शहडोल

नगर में रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व भक्तिभाव तथा हर्षोल्लास से मनाया गया। भगवान शंकर की पूजा करने सुबह से ही शिवालयों व प्रसिद्ध मंदिरों में भक्तों का तांता लग गया। भक्तों ने भगवान की कृपा पाने उनका रुद्राभिषेक किया और दीप प्रज्वलित कर उनके श्लोक तथा आरती का गायन किया। बस्तियों में भक्तों द्वारा पंचाक्षरी मंत्र का जाप भी किया गया।

व्रत रखा और पूजा अर्चना की

भक्तों ने हर्षोल्लास से अपने घरों में व्रत रख कर भगवान की पूजा अर्चना की और उनके भजन गाए। बताया गया कि कुछ मंदिरों व घरों में लोगों द्वारा सत्संग कर भगवान शिव की कथा पर आधारित कई प्रसंग सुनाए। माना जाता है कि आज ही के दिन भगवान शिव का माता पार्वती से विवाह हुआ था। इसलिए उल्लास प्रकट करने कई भक्तों ने भांग की शर्बत भी छानी।

विराट मंदिर में लगी कतार

नगर की धर्मस्थली बाणगंगा में मेला सा लगा। यहां स्थित भगवान शिव के विराट मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। लम्बी कतारों में लोग पूजा सामग्री लेकर खड़े नजर आए। भीड़ के कारण यहां पुलिस बल सुरक्षा के लिए तैनात रहा। पुलिस बल बार -बार भीड़ को नियंत्रित करता रहा। ज्ञातव्य है कि कलचुरी कालीन यह प्राचीन मंदिर अपनी बेजोड़ शिल्पकला के लिए दूर दूर तक मशहूर है। विराट मंदिर के पास बाणगंगा पार्क गेट पर शहर के समाज सेवी रितुराज गुप्ता ने विशाल भण्डारे का आयोजन किया, जहां भक्तगणों ने प्रसाद ग्रहण किया। इसी तरह नगर के कई स्थानों पर भण्डारे का आयोजन किया गया।

प्रमुख मंदिरों में पूजा अर्चना

नगर के अन्य प्रसिद्ध मंदिरों में बाबा भोले नाथ की पूजा अर्चना करने श्रद्धालु भारी संख्या में पहुंचे। रामजानकी मोहनराम मंदिर, घरौलानाथ जी हनुमान मंदिर, पुराने बस स्टैण्ड के समीप हनुमान मंदिर, बुढ़ार रोड गणेश मंदिर, पंचायती मंदिर, कल्याणपुर हनुमान मंदिर, विराटेश्वरी धाम, आदि प्रसिद्ध मंदिरों में भगवान महादेव का श्रद्धा भक्ति से दूध, दही, शहद, देशी घी व गंगा जल से अभिषेक किया गया और उन्हे मदार पुष्प, बेल पत्र, धतूरा, बेर व अन्य मौसमी फल, आम की बौर आदि अर्पित कर उनकी आरती का गायन किया गया।

मैदान में उतरीं नवागत सीएमओ आशा भंडारी

स्वच्छ, सुव्यवस्थित शहर बनाने पर जोर, तेज विकास और कड़ी मॉनिटरिंग का संकेत

राहुल मिश्रा, विजय मत, शहडोल

नगर पालिका परिषद शहडोल को नई ऊर्जा और नई दिशा देने के संकल्प के साथ नवागत मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा भंडारी ने 11 फरवरी को पदभार ग्रहण करते ही कार्यभार संभाल लिया। लंबे समय बाद नगर पालिका में ऐसा देखने को मिला कि कोई सीएमओ आते ही दफ्तर तक सीमित न रहकर सीधे जमीनी हकीकत जानने मैदान में उतर जाए।

दैनिक विजय मत से विशेष बातचीत में सीएमओ श्रीमती भंडारी ने स्पष्ट कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता शहर को स्वच्छ,सुव्यवस्थित और अतिक्रमण मुक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ सीधे आमजन तक पहुँचे, यह सुनिश्चित करना मेरी जिम्मेदारी है।प्रशासन जनता के लिए है,और जनता की सुविधा सर्वोपरि है।

21 वर्षों का अनुभव, 15 जिलों में प्रभावी सेवाएं

बता दें कि करीब 21 वर्षों के प्रशासनिक अनुभव के साथ आशा भंडारी मध्यप्रदेश के लगभग 15 जिलों में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। उज्जैन, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जैसे बड़े जिलों में कार्य करते हुए उन्होंने प्रशासनिक दक्षता और विकास कार्यों में सकारात्मक बदलाव की मजबूत छाप छोड़ी है। उनकी पहचान एक सख्त लेकिन संवेदनशील अधिकारी के रूप में रही है, जो योजनाओं को केवल कागजों तक सीमित नहीं रहने देतीं।

पदभार ग्रहण करते ही जमीनी निरीक्षण

पदभार संभालते बाद उन्होंने शहर के आश्रय स्थल (रैन बसेरा) एवं मुख्यमंत्री रसोई केंद्र का निरीक्षण किया। विशेष बात यह रही कि उन्होंने आश्रितों के साथ बैठकर स्वयं रसोईघर में भोजन किया, ताकि व्यवस्थाओं और भोजन की गुणवत्ता का प्रत्यक्ष मूल्यांकन कर सकें।

विजयमत
विशेष
साक्षात्कार
शहडोल

यह कदम केवल औपचारिक निरीक्षण नहीं, बल्कि संवेदनशील प्रशासन का संकेत था। जहां जरूरतमंदों को सम्मानजनक वातावरण और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का स्पष्ट संदेश दिखाई दिया।

अवकाश के दिन भी फील्ड में सक्रिय

शनिवार,रविवार को अवकाश होने के बावजूद श्रीमती भंडारी ने सरफा बांध पहुंचकर नवीन जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण किया।उन्होंने पैदल पुल निर्माण शीघ्र प्रारंभ करने तथा जल परीक्षण प्रयोगशाला को जल्द संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही, बड़ी भीड़ तालाब परिसर में सार्वजनिक शौचालय एवं महिलाओं के लिए पृथक स्नानागार निर्माण की आवश्यकता पर जोर देते हुए सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

नालों से हटेगा अतिक्रमण, सीवर लाइन कार्य में तेजी

सीएमओ ने साफ शब्दों में कहा कि बरसात से पहले शहर के प्रमुख नालों से अतिक्रमण हटाया जाएगा, ताकि वर्षा ऋतु में जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत मिल सके।सीवर लाइन कार्य में हो रही देरी पर उन्होंने सख्ती दिखाई है। संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी कर स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि कार्य में तेजी लाई जाए और समयबद्ध तरीके से इसे पूर्ण किया जाए। लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, उन्होंने स्पष्ट किया।

जनता से सीधा संवाद, हर दिन उपलब्ध रहेंगी

सीएमओ श्रीमती आशा भंडारी ने यह भी बताया कि वे शनिवार और रविवार को भी कार्यालय में उपस्थित रहकर नागरिकों से सीधे मिलेंगी।उनका मानना है कि समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब प्रशासन और जनता के बीच संवाद की दूरी कम हो। नगरवासियों में चर्चा है कि नवागत सीएमओ की सक्रिय और जमीनी कार्यशैली से नगर पालिका क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और शहर की तस्वीर बदलती नजर आएगी।

राजश्री गुटका और सिगरेट के बढ़े दाम यहां थोक व्यापारी काट रहे चांदी

ब्यौहारी। पान दुकानदारों का आरोप कि यहां राजश्री गुटका और सिगरेट का दाम प्रिंट रेट से अधिक पर दिया जा रहा है। जिस पाउज में 8 रुपए है वह अभी तक 10 रुपए में बिकती थी। उसे बड़े व्यापारी पहले 185 रुपए पूडा देते थे उसे अब 200 रुपए में दे रहे हैं। वहीं जिस पाउज में 17 थी वो 20 रुपए में बिकती थी पहले 225 रुपए पूडा मिलती थी उसे अब 290 रुपए में दिया जा रहा है।वहीं 34 रुपए की राजश्री 40 रुपये में मिलती थी व्यापारी इसे 315 रुपए पूडा देते थे। उसे अब 400 रुपए पूडा दिया जा रहा है। जिसे छोटे व्यापारी यदि महगे रेट में ग्राहकों को देते हैं तो प्रायः बेवजह विवाद की स्थित बनती है। दुकानदारों का आरोप है कि पुराने प्रिंटरेट की राजश्री को ही बढ़े रेट में दिया जा रहा है। जिससे छोटे दुकानदारों की फजीहत हो रही है। मार्तंड क्लब के पास पान दुकान चलाने वाले जयदीप सोनी ने बताया कि यहां राजश्री गुटका और सिगरेट के थोक व्यापारी पूराने प्रिंट रेट का माल बढ़े हुए रेट में बेंच रहे हैं।

अतिथि शिक्षकों का विगत 04 महीनों से मानदेय लंबित

विजय मत, शहडोल

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कुछ दिनों पहले हर महीने की 05 तारीख तक अतिथि शिक्षकों के मानदेय का भुगतान करने का आदेश जारी किया था। किन्तु सत्ताधारी दल अब तक सिस्टम में सुधार लाने में नाकाम साबित नज़र आ रहा है। मुख्यमंत्री के आदेश के बावजूद जिले में कार्यरत अतिथि शिक्षक वर्ग 03 के मानदेय का भुगतान विगत 04 महीनों से लंबित है इस दौरान अतिथि शिक्षकों को काफ़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। मंहगाई की मार वहीं दूसरी ओर सरकार के इस सिस्टम से परेशान अतिथि शिक्षकों को परिवार के पालन पोषण में भी समस्याएं पैदा हो रही हैं। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि वह लगातार मानदेय न मिलने से काफी परेशान हैं, परिवार का पालन-पोषण, बच्चों की फीस और दैनिक जीवन में उपयोगी सामग्री हेतु क़र्ज़ लेने मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं अधिकारियों का कहना है कि बजट नहीं होने के कारण अतिथि शिक्षकों का मानदेय नहीं मिल पा रहा है। अब देखना है कि क्या समाचार प्रकाशन के बाद शासन-प्रशासन अतिथि शिक्षकों के हित में कोई ठोस कदम उठाती है या नहीं ये देखने वाली बात होगी।

बोरे में बंद मिली युवती की लाश, हत्या की आशंका, टैटू के आधार पर शिनाख्त की कवायद

विजय मत, शहडोल

जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दूधी गांव स्थित मुड़ना नाला में रविवार दोपहर बोरे में बंधी एक अज्ञात युवती का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस एवं एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और जांच प्रारंभ की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक किसान खेत में सिंचाई के लिए पंप लगाने गया था। इस दौरान उसकी नजर नाले में पड़े एक बोरे पर पड़ी, जिससे तेज दुर्गंध आ रही थी। संदेह होने पर उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब बोरा खुलवाया तो उसके भीतर लगभग 30 वर्षीया युवती का शव बरामद हुआ।

पुलिस के अनुसार शव तीन से चार दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। बोरे को मजबूती से बांधा गया था और उसमें पत्थर भी रखे गए थे, जिससे प्रथम दृष्टया हत्या कर शव को ठिकाने लगाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। घटना की खबर लगते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

सिंहपुर थाना प्रभारी एम.एल. रहगडाले ने बताया कि मृतका के दाहिने हाथ पर ÷ष्ठ.क्र÷ गुदा हुआ है तथा हथेली के समीप '?' का चिन्ह बना है। इन पहचान चिन्हों के आधार पर युवती की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। थाना प्रभारी के अनुसार सिंहपुर क्षेत्र में इस आयु वर्ग की किसी युवती की गुमशुदगी दर्ज नहीं है, किंतु कोतवाली थाना में दर्ज एक गुमशुदगी की उम्र शव से मिलती-जुलती बताई जा रही है। संबंधित थाना को सूचना प्रेषित कर दी गई है।फिलहाल शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में गुमशुदगी की जानकारी जुटाते हुए मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का वातावरण व्याप्त है।

अव्यवस्था

चौड़ीकरण के बाद भी मॉडल रोड पर भारी वाहनों का कब्जा जारी, लल्लू सिंह चौक क्षेत्र में ट्रकों की पार्किंग से जाम

शहडोल में मॉडल रोड पर अवैध पार्किंग का कब्जा, आवागमन व्यवस्था चरमराई

विजय मत, शहडोल

शहर में यातायात की सुगमता और सौंदर्यीकरण को ध्यान में रखते हुए बनाई गई मॉडल रोड अब अपने ही उद्देश्य पर सवाल खड़े कर रही है। करोड़ों रुपये की लागत से चौड़ी की गई सड़कों पर अवैध पार्किंग का कब्जा बढ़ता जा रहा है, जिससे आमजन को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मॉडल रोड पर भारी वाहनों का जमावड़ा

लल्लू सिंह चौक के समीप हाल ही में विकसित की गई मॉडल रोड इन दिनों अव्यवस्थित पार्किंग का केंद्र बनती जा रही है। सड़क को मॉडल लुक देने और यातायात सुगम बनाने के लिए इसका चौड़ीकरण कराया गया था, लेकिन वर्तमान स्थिति इसके विपरीत नजर आ रही है।

पिछले कई दिनों से यहां भारी-भरकम ट्रक और अन्य मालवाहक वाहन सड़क किनारे खड़े किए जा रहे हैं। इन वाहनों ने सड़क के बड़े हिस्से पर कब्जा जमा लिया है, जिससे मार्ग संकरा हो गया है। परिणामस्वरूप चौक क्षेत्र में जाम की स्थिति बन रही है और वाहन चालकों को निकलने में कठिनाई हो रही है।

चौक क्षेत्र में बढ़ा दुर्घटना का खतरा

चूंकि यह क्षेत्र प्रमुख चौक होने के कारण हमेशा व्यस्त रहता है, ऐसे में सड़क पर खड़े भारी वाहनों से दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार अचानक सामने वाहन आने से टक्कर की स्थिति बन जाती है। इसके बावजूद न तो यातायात पुलिस और न ही नगरपालिका द्वारा कोई सख्त कार्रवाई की जा रही है।

पुरानी मॉडल रोड का भी वही हाल

इंदिरा चौक से लल्लू सिंह चौक तक पूर्व में निर्मित मॉडल रोड की स्थिति भी अलग नहीं है। इस मार्ग पर दोनों ओर सड़क का लगभग आधा हिस्सा वाहनों की पार्किंग में तब्दील हो चुका है। सुबह से लेकर देर रात तक यहां दोपहिया और चारपहिया वाहनों की कतारें लगी रहती हैं। नियमित निगरानी के अभाव में अवैध पार्किंग ने स्थायी रूप ले लिया है। पैदल चलने वालों को भी सड़क पर उतरकर चलना पड़ता है, जिससे उनकी सुरक्षा खतरे में रहती है।

करोड़ों की लागत पर उठ रहे सवाल

शहरवासियों का कहना है कि जब इन सड़कों का निर्माण और चौड़ीकरण कराया गया था, तब उम्मीद की जा रही थी कि इससे शहर को आधुनिक स्वरूप मिलेगा और यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। लेकिन मौजूदा हालात को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि करोड़ों रुपये की लागत से बने मॉडल रोड का उपयोग अवैध पार्किंग के रूप में किया जा रहा है। प्रभावी कार्यवाही और सतत निगरानी के अभाव में मॉडल रोड अपनी उपयोगिता खोती नजर आ रही है, जिससे आमजन में नाराजगी बढ़ रही है।

टी20 विश्वकप : वेस्टइंडीज ने नेपाल को 9 विकेट से हराकर सुपर आठ में जगह बनाई

मुम्बई,एजेंसी

जैसन होल्डर की शानदार गेंदबाजी और कप्तान शाई होप के अर्धशतक से वेस्टइंडीज ने टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के मैच में नेपाल को नौ विकेट से हराकर सुपर आठ में जगह बनायी है। इस प्रकार वेस्टइंडीज इस ग्रुप से सुपर आठ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी है। वेस्टइंडीज की जीत में जैसन होल्डर सहित अन्य सभी गेंदबाजों की भी अहम भूमिरा रही। होल्डर ने 27 रन देकर 4 विकेट लिए जिससे नेपाल के बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाये। इस मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दीपेंद्र सिंह ऐरी के 58 रनों की सहायता से 20 ओवरों में आठ विकेट पर 133 रन बनाये। दीपेंद्र के अलावा सोमपाल कामी ने 15 गेंद पर चार चौकों की सहायता से नाबाद 26 रन बनाये। इसके बाद 134 रनों के लक्ष्य को वेस्टइंडीज ने में 15.2 ओवरों में केवल एक विकेट के नुकसान पर ही 134 रन बनाकर हासिल कर लिया। कप्तान शाई होप ने पांच चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 61 रन बनाए।

वहीं शिमरोन हेटमायर ने 32 गेंद पर चार चौके और दो छक्के लगाकर नाबाद 46 रन बनाए। इन दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 91 रनों की साझेदारी हुई। वेस्टइंडीज की टीम ने इस प्रकार लगातार तीसरी जीत के साथ ही छह अंक हासिल कर ग्रुप सी में नंबर एक स्थान पर अपनी जगह पक्की कर ली है। वह इस समूह से सुपर आठ में पहुंचने वाली पहली टीम है। वहीं इंग्लैंड चार अंक के साथ इस ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। वहीं नेपाल की टीम लगातार तीसरी हार के साथ ही सुपर आठ की दौड़ से बाहर हो गयी है।

वेस्टइंडीज की जीत की बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों ने भी योगदान दिया । होल्डर ने चार विकेट लिए जबकि मैथ्यू फोर्ड ने चार ओवर में 10 रन देकर एक विकेट लिया। होल्डर को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने तेज शुरुआत की। ब्रैंडन किंग ने 17 गेंद पर 22 रन बनाये। वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में एक विकेट पर 44 रन बनाए। हेटमायर ने संदीप लामिचाने की गुगली पर पारी का पहला छक्का लगाया। वहीं शाई होप ने छक्का जड़कर 38 गेंद में अपने पचास रन पूरे किया। इसी के साथ ही होप ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 10वां अर्धशतक लगाया है। वहीं इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए केवल दीपेंद्र सिंह और सोमपाल ही रन बना पाये। बाकि बल्लेबाज असफल रहे।

यूएई के खिलाफ हर हाल में जीत हासिल करने उतरेगी अफगानिस्तान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान की टीम सोमवार को ग्रुप डी के अहम मुकाबले में अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ मुकाबले में सुपर ओवर में हार के कारण अब उसे अंतिम आठ के लिए अपनी संभावनएं बरकारार रखने ये मैच हर हाल में जीतना होगा। वहीं यूएई ने पिछले मैच में कनाडा को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा।
ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड छह और चार अंकों लेकर शीर्ष दो स्थानों पर हैं, ऐसे में यूएई को क्वालीफाई करने इस मैच में जीत हासिल करनी होगी। वहीं अफगानिस्तान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहद करीबी हार के बाद ये मैच जीतना चाहेगी। उसे अंतिम आठ में जगह बनाने अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। इसके अलावा प्रतियोगिता में बने रहने के लिए अन्य मैचों के परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा। इससे पहले न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से हराया था जबकि कनाडा के खिलाफ भी उसे कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली थी।

सुमित नागल चेन्नई ओपन से बाहर

पूनाचा-इसारो की शीर्ष वरीय युगल जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व चैंपियन सुमित नागल गुरुवार को चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर के दूसरे दौर में रूस के पेट्र बार बिरयुकोव से हारकर बाहर हो गए। भारत के नंबर एक खिलाड़ी नागल को विश्व रैंकिंग में 305 नंबर पर काबिज बिरयुकोव से दो घंटे छह मिनट तक चले मुकाबले में 6-4 6-7 3-6 हार मिली।दिन के सबसे लंबा मैच चौथे वरीय इलिया सिमाकिन और ऑस्ट्रेलिया के फिलिप सेकुलिच के बीच हुआ जो करीब तीन घंटे तक चला। इसमें सिमाकिन ने सेकुलिच को 4-6, 7-5, 7-6 (1) से हराया। अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए सिमाकिन का सामना बिरयुकोव से होगा। इससे पहले भारतीय क्वालीफायर सिद्धार्थ रावत (715 रैंकिंग) ने माक्स कासनिकोवस्की (419) को 6-2, 6-3 से हराया।

युगल मुकाबलों में शीर्ष वरीय निकी पूनाचा और प्रयुच्या इसारो ने वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाले लोहिथाक्शा बथ्रीनाथ और अभिनव संजीव शानमुगम को 6-4, 6-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। अब उनका सामना हमवतन एसडी प्रज्वल देव और नितिन सिन्हा की जोड़ी से होगा। उन्होंने हमवतन इशाक इकबाल और मनीष सुरेशकुमार को 4-6, 6-2, 10-8 की जीत से सेमीफाइनल में जगह बनाई।

गेंदबाज फर्ग्यूसन परिवार से मिलने स्वदेश लौटे

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन पापा बन गये हैं। ऐसे में वह अपने परिवार से मिलने के लिए स्वदेश लौट गये हैं। इस कारण फर्ग्यूसन 17 फरवरी को कनाडा के खिलाफ होने वाले अंतिम लीग मैच में नहीं खेलेंगे। न्यूजीलैंड की टीम का अंतिम मुकाबला कनाडा से होगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने रविवार सुबह कहा कि फर्ग्यूसन को परिवार के पास जाने के लिए छुट्टी दी गयी है। न्यूजीलैंड टीम के कोच रॉब वाल्टर ने कहा, यह फर्ग्यूसन और उनके परिवार के लिए बहुत ही रोमांचक समय है और हमें खुशी है कि वह इतने खास मौके पर घर पर ही होंगे। कोच वाल्टर ने साथ ही कहा, हम फर्ग्यूसन की जगह किसी अन्य को शामिल नहीं करेंगे क्योंकि वह टूर्नामेंट के सुपर 8 चरण में वापसी करेंगे। ट्रैवलिंग रिजर्व बेन सियर्स और कोल मैककॉन्ची जरूरत पड़ने पर दल में शामिल रहेंगे। न्यूजीलैंड ने इस टूर्नामेंट में अब तक अपने तीन ग्रुप मैचों में से दो जीते हैं और मंगलवार को उसका मुकाबला कनाडा से होगा।

अतीत में अपने व्यवहार की वजह से नुकसान उठा रहे

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने नामीबिया के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई और अपनी जगह लगभग पक्की कर ली।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने केवल 24 गेंदों में 61 रन बनाए, जिसमें जेजे स्मिट के एक ही ओवर में चार छक्के शामिल थे। भारत ने पावरप्ले में एक विकेट के नुकसान पर 86 रन बना लिए, जो टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत का पावरप्ले में सर्वोच्च स्कोर साबित हुआ। अभिषेक शर्मा की अनुपस्थिति में किशन की यह पारी और भी अहम रही।मुकाबले के बाद किशन ने अपने बदलावों और परिपक्वता पर खुलकर बात की।

कपिल देव ने अभिषेक शर्मा की आक्रामक बल्लेबाजी की तारीफ की

नई दिल्ली,एजेंसी

भारत के पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की धमाकेदार बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की है। नई दिल्ली स्थित कुतुब गोल्फ कोर्स में आयोजित डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैम्पियनशिप 2026 के दौरान मीडिया से बातचीत में कपिल देव ने कहा कि पहली ही गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की क्षमता हर खिलाड़ी में नहीं होती और अभिषेक इस कौशल के साथ अलग पहचान रखते हैं। कपिल ने कहा, ÷अगर कोई पहली गेंद पर छक्का मार सकता है तो क्यों नहीं? यह असाधारण क्षमता है। यदि वह अगले दो-तीन साल तक इसी तरह प्रदर्शन करता रहा, तो उसे महान खिलाड़ियों की सूची में रखा जाएगा।÷

हालांकि कपिल देव ने उनकी बल्लेबाजी की प्रशंसा के साथ एक महत्वपूर्ण चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि प्रतिभा शुरुआत में मदद करती है, लेकिन लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टिकने के लिए निरंतर सुधार जरूरी है। उनके मुताबिक, पहले साल

खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के दम पर चलता है, दूसरे साल भी काम चल जाता है, लेकिन तीसरे साल तक गेंदबाज उसकी कमजोरियों को पहचान लेते हैं। ऐसे में खिलाड़ी को अपने खेल में लगातार नई चीजें जोड़नी पड़ती हैं, वरना प्रदर्शन गिर सकता है।अभिषेक शर्मा के आंकड़े भी उनके प्रभाव को साबित करते हैं। 2024 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले अभिषेक अब तक 39 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, जिनमें उन्होंने 1,297 रन बनाए हैं। उनका औसत 36 और स्ट्राइक रेट 136 है। उन्होंने 123 चौके और 88 छक्के लगाकर भारत को तेज शुरुआत देने वाले महत्वपूर्ण बल्लेबाज के रूप में खुद को स्थापित किया है।

कपिल देव ने क्रिकेट के साथ अन्य खेलों को प्रोत्साहन देने की भी बात कही। प्रोफेशनल गोल्फ टूर आफ इंडिया (पीजीटीआई) के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कहा कि क्रिकेट देश में बहुत आगे बढ़ चुका है, लेकिन बाकी खेलों को भी समान समर्थन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है, लेकिन हमें अन्य खेलों की जिम्मेदारी भी खुद उठानी होगी। हर बात के लिए सरकार की ओर देखना सही नहीं है।÷ कपिल देव के शब्द युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा भी हैं और चेतावनी भी कि निरंतर सुधार ही सफलता की असली कुंजी है।

दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्वकप मुकाबले में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। डीकॉक ने इस मैच में 4 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 3000 रन पूरे कर लिए हैं। अब वह इस प्रारुप में 3000 या उससे अधिक रन बनाने वाले विश्व के 13वें बल्लेबाज़ बन गए हैं। डी कॉक ने अब तक 105 टी20द्ध मैचों में कुल 3,018 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत्त 31.76 और स्ट्राइक रेट्त 142.42 रन रहा है।

लॉर्कन टकर के तूफान में उडा ओमान, आयरलैंड ने दी 96 रनों से मात

कोलंबो। कोलंबो में खेले गए टी20 विश्व कप ग्रुप-बी मुकाबले में आयरलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओमान को 96 रन से हरा दिया। आयरलैंड के कप्तान लॉर्कन टकर ने 51 गेंदों में शानदार 94 रन की विस्फोटक पारी खेलकर टीम को जीत दिलवाई। ओमान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन यह निर्णय उसके लिए बेहद महंगा साबित हुआ। आयरलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 235 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। यह न सिर्फ आयरलैंड का टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे बड़ा स्कोर है, बल्कि मौजूदा सीजन का भी सर्वोच्च टोटल बन गया। टीम ने श्रीलंका द्वारा इसी सीजन में ओमान के खिलाफ बनाए गए 225 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और टूर्नामेंट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर दर्ज कर लिया।

आयरलैंड की पारी में ताबड़तोड़ चौकों-छक्कों की बरसात देखने को मिली। टीम ने कुल 21 चौके और 13 छक्के जड़े। कप्तान लोर्कन टकर ने शानदार नेतृत्व करते हुए 51 गेंदों पर नाबाद 94 रनों की धुआंधार पारी खेली। शतक से चूकने के बावजूद उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के जड़कर मैच का रुख पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में मोड़ दिया। उनके साथ गैरेथ डेलानी ने 30 गेंदों पर 56 रनों की तेज पारी खेली, जिसमें 3 चौके और 4 छक्के शामिल थे। ओमान की ओर से 38 वर्षीय स्पिनर शकील अहमद ने तीन विकेट झटके और शुरुआती झटके दिए, जबकि आमिर कलीम ने भी एक सफलता हासिल की।235 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर सिमट गई।

अब अंबानी को वेनेजुएला के कच्चे तेल की सीधी खरीद का मिला लाइसेंस

मुंबई, एजेंसी

कंपनी रियायती दर पर भारी कच्चे तेल का आयात कर सकेगी

मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) को वेनेजुएला से कच्चा तेल सीधे खरीदने का अमेरिकी लाइसेंस मिल गया है। इस अनुमति से कंपनी रियायती दर पर भारी कच्चे तेल का आयात कर सकेगी।

वेनेजुएला का तेल गुजरात के जामनगर रिफाइनरी के लिए उपयुक्त माना जाता है, जो रिफाइनिंग मार्जिन को बेहतर कर सकता है। जनवरी के अंत में अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को यह अनुमति दी थी। इससे पहले अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण वेनेजुएला से तेल केवल बीचौलियों के माध्यम से उपलब्ध था।

जामनगर रिफाइनिंग परिसर दुनिया का सबसे बड़ा है। रिलायंस पहले भी वेनेजुएला से तेल खरीदार रही है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण 2019-20 में आयात रुका था, लेकिन 2024 में मिली अस्थायी राहत के दौरान कंपनी ने वेनेजुएला से तेल खरीदा। इस साल कारोबारियों के माध्यम से विटॉल कंपनी से 20 लाख बैरल तेल खरीदा गया। सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) ने भी इस छूट का लाभ उठाया और कुल 20 लाख बैरल कच्चा तेल वेनेजुएला से खरीदा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस से तेल आयात घटाने और अमेरिका सहित अन्य स्रोतों से तेल आयात बढ़ाने पर सहमति जताई है। वेनेजुएला का ओरिनोको बेल्ट क्षेत्र भारी और बहुत-भारी ग्रेड के तेल के लिए प्रसिद्ध है, और यह रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी के लिए पूरी तरह उपयुक्त है।

इंडिगो को 1.27 करोड़ के जुर्माने का नोटिसः नई दिल्ली। इंडिगो पर जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित 1.27 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। एयरलाइन ने यह जानकारी दी। इंडिगो ने कहा है कि वह इस आदेश को चुनौती देगी। बीएसई को दी गई जानकारी में, एयरलाइन की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने कहा कि उसे जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित नोटिस मिला है। साथ ही, मुंबई के बांद्रा स्थित संयुक्त राज्य कर आयुक्त कार्यालय (अपील) ने ब्याज और जुर्माने के साथ राशि वसूलने का आदेश भी भेजा है। कंपनी का मानना है कि अधिकारियों द्वारा पारित आदेश त्रुटिपूर्ण है।

ई-टिकटिंग में फर्जी बुकिंग पर रोक

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने 2025 में ई-टिकटिंग प्रणाली को सुरक्षित बनाने के लिए 3.03 करोड़ संदिग्ध यूजर आईडी बंद कर दी हैं। दिसंबर तक के पिछले छह महीनों में 60.43 अरब फर्जी बुकिंग प्रयास रोके गए। इससे असली यात्रियों को पहले आधे घंटे में टिकट आसानी से मिलना शुरू हुआ। पहले दलाल आधे घंटे में सारी बुकिंग कर लेते थे, जिससे आम यात्रियों को समस्या होती थी। रेलवे ने बुकिंग प्रणाली में आधार लिंकिंग और ओटीपी को अनिवार्य किया है। बुकिंग शुरू करने से पहले आधार नंबर डालना होता है और लिंक्ड मोबाइल पर ओटीपी आता है। केवल सही ओटीपी डालने पर बुकिंग प्रोसेस आगे बढ़ता है। इससे एक व्यक्ति के 10क्ष्20 फर्जी अकाउंट बनाना लगभग असंभव हो गया। जुलाई 2025 से यह सिस्टम कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण लगा चुका है। ई-टिकटिंग वेबसाइट पर कई स्तरों पर कैपटेक लगाया गया है, जिसे कंप्यूटर प्रोग्राम क्रैक नहीं कर सकते।

सेबी ने पांच कंपनियों को आईपीओ लाने की दी मंजूरी, बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे

सभी शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन, ड्यूरोफ्लेक्स, विरुपाक्ष ऑर्गेनिक्स, हेक्सागॉन न्यूट्रिशन और ओम पावर ट्रांसमिशन को आईपीओ लाने की मंजूरी दे दी है। ये कंपनियां 2026 में अपने शेयर आम जनता के लिए जारी करेंगी और सभी शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे। प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन का प्रस्तावित आईपीओ 2.25 करोड़ शेयर के नए निर्गम और 54 लाख शेयर की बिक्री पेशकश पर आधारित है।

वहीं, गद्दे बनाने वाली कंपनी ड्यूरोफ्लेक्स का आईपीओ 183.6 करोड़ रुपये के नए शेयर निर्गम और प्रवर्तकों तथा मौजूदा निवेशकों द्वारा 2.25 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश का मिश्रण है। दवा कंपनी विरुपाक्ष ऑर्गेनिक्स का आईपीओ पूरी तरह से नया निर्गम है और यह 740 करोड़ रुपये के शेयरों के जारी करने पर केंद्रित है। इसके विपरीत, हेक्सागॉन न्यूट्रिशन का प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश है, जिसमें प्रवर्तकों द्वारा 3.08 करोड़ से अधिक शेयर बेचे जाएंगे। ओम पावर ट्रांसमिशन ने भी आईपीओ के लिए आवेदन किया है।

हालांकि, इसकी संरचना का विवरण अभी सार्वजनिक नहीं हुआ है। इन कंपनियों ने सितंबर और अक्टूबर 2025 के बीच आईपीओ दस्तावेज़ सेबी के पास दाखिल किए थे। सेबी ने इन्हें मंजूरी दे दी।

आईटी सेक्टर निफ्टी 50 में 26 साल के निचले स्तर पर, ऑयल और बीएफसी आगे

नई दिल्ली,एजेंसी

देश के सूचना प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र के लिए मौजूदा वित्त वर्ष निराशाजनक रहा है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक जैसी बड़ी आईटी कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट का असर निफ्टी 50 इंडेक्स में भी दिखाई दे रहा है। निफ्टी 50 में आईटी सेक्टर का वेटेज घटकर 8.8 फीसदी रह गया है, जो मार्च 1999 के बाद सबसे कम स्तर है। मार्च 2025 में यह 11.7 फीसदी था, जबकि महामारी के दौरान मार्च 2021 में 16.2 फीसदी तक पहुंचा था। फिलहाल निफ्टी 50 में पांच आईटी कंपनियां हैं, जिनमें सबसे अधिक वेटेज इन्फोसिस (3.97 फीसदी) और टीसीएस (2.27 फीसदी) का है। आईटी सेक्टर अब निफ्टी 50 में तीसरे स्थान पर खिसक गया है। ऑयल और गैस सेक्टर, जिसमें ?रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल है, ने इसे पीछे छोड़ दिया है। इस सेक्टर की हिस्सेदारी वर्तमान में 9.2 फीसदी है। वहीं बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) सेक्टर का दबदबा बढ़कर 36.5 फीसदी हो गया है। यह पिछले साल 35.6 फीसदी था। वित्त वर्ष 2025-26 में आईटी शेयरों का प्रदर्शन व्यापक बाजार की तुलना में कमजोर रहा।

यूनिलीवर का भारत में कारोबार मजबूत

नई दिल्ली। ब्रिटेन की बहुराष्ट्रीय उपभोक्ता सामान कंपनी यूनिलीवर ने कहा है कि अमेरिका के बाद उसका दूसरा सबसे बड़ा बाजार भारत में कारोबार की बुनियादी स्थिति में सुधार हो रहा है। कंपनी के चौथी तिमाही के नतीजों में यह बात सामने आई। यूनिलीवर ने बताया कि होम केयर खंड में 4.7 प्रतिशत की अंतर्निहित बिक्री वृद्धि और 4 प्रतिशत की बिक्री मात्रा में वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी के अनुसार, यह वृद्धि भारत में उत्पादों की लगातार मजबूत खपत के कारण संभव हुई।

गिरावट - अधिकांश तेल-तिलहन के दाम सप्ताह के अंत तक गिरावट के साथ बंद हुए

विदेशी दबाव और नई फसल के बीच खाद्य तेलों के दाम में उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली,एजेंसी

विदेशी बाजारों में पिछले सप्ताह खाद्य तेलों के दाम में गिरावट रही। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की अफवाहों ने भी घरेलू बाजार पर दबाव डाला। अधिकांश तेल-तिलहन के दाम सप्ताह के अंत तक गिरावट के साथ बंद हुए। सरसों का दाम एमसएपी से ऊपर बना हुआ है। नई फसल मंडियों में आने को तैयार है और तेल की मात्रा भी अधिक है। तेल मिलें खरीद मूल्य कम करने का प्रयास कर रही हैं। मौसम खुलने पर आवक बढ़ने से दाम और टूटने की संभावना है। सोयाबीन की उपलब्धता कम होने के कारण तेल संयंत्र पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे। ब्राजील में अच्छी फसल और आगे के सौदे दामों को 8-10 रुपये/किलो नीचे धकेल रहे हैं। परिणामस्वरूप सोयाबीन तेल के दाम में भी गिरावट रही। मूंगफली की मांग अधिक और उपलब्धता कम रहने से दाम में मजबूती बनी रही। जाड़े और कम मांग के कारण पाम और पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सरकार ने आयात शुल्क भी बढ़ाया है, जिससे बाजार में संतुलन बनाने की कोशिश की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 40 रुपये की गिरावट के साथ 6,910-6,935 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,390-2,490 रुपये और

2,390-2,535 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 250-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,350-5,400 रुपये और 4,950-5,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 250 रुपये की गिरावट के साथ 14,350 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 250 रुपये की गिरावट के साथ 13,950 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 300 रुपये की गिरावट के साथ 11,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। उन्होंने कहा कि बाजार के आम रुख के उलट, जाड़े में साबुत खाने और अच्छी गुणवत्ता के खाद्य तेल की मांग बढ़ने से अकेले मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार देखा गया। मूंगफली तिलहन 125 रुपये सुधरकर 7,125-7,500 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 400 रुपये के सुधार के साथ 17,500 रुपये है।

न्यूज इन शॉर्ट

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 में मध्यप्रदेश करेगा एआई-सक्षम शासन और डीप-टेक नवाचारों का प्रदर्शन

भोपाल। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 का आयोजन 16 से 20 फरवरी 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया जाएगा। समिट में प्रदेश का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग "मध्यप्रदेश पैवेलियन" स्थापित कर राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा। प्रदर्शनी हॉल-4, प्रथम तल, बूथ क्रमांक 4F32 एवं 4F34 में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से सायं 6 बजे तक आयोजित होगी। मध्यप्रदेश पैवेलियन में एआई-सक्षम शासन मॉडल, डीप-टेक नवाचारों और स्टार्टअप आधारित समाधानों का व्यापक प्रदर्शन किया जाएगा। यह सहभागिता 15 जनवरी 2026 को भोपाल में आयोजित रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस के बाद हो रही है, जहाँ प्रदेश ने शासन, स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास, शहरी तंत्र और औद्योगिक स्वचालन जैसे क्षेत्रों में एआई के प्रभावी उपयोग का प्रदर्शन किया था। समिट में प्रदेश के चार प्रमुख शासकीय विभागों द्वारा एआई के व्यावहारिक उपयोग प्रस्तुत किए जाएंगे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा टीबी जोखिम पूर्वानुमान के लिए पीएटीओ, एआई आधारित मल्टीमॉडल टीबी स्क्रीनिंग के लिए सीएटीबी, मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य के लिए संवादात्मक एआई आधारित सुमन सखी और शासकीय अस्पतालों में निदान दक्षता बढ़ाने के लिए एआई-सहायित रेडियोलॉजी निर्णय समर्थन पायलट प्रदर्शित किया जाएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मनरेगा के लिए एआई-चालित जिला प्रदर्शन प्रतिवेदन प्रणाली प्रस्तुत करेगा, जो लाइव एपीआई डेटा को केपीआई बेंचमार्किंग, अपवाद पहचान और ब्लॉक एवं पंचायत स्तर तक एआई-जनित अंतर्दृष्टियों में परिवर्तित कर जमीनी स्तर पर योजना निर्माण और पारदर्शिता को सुदृढ़ बनाती है। शहरी प्रशासन एवं विकास संचालनालय द्वारा एमपी अर्बन लॉकर, जेनरेटिव एआई आधारित जीआईएस गरुड़ लैब, एआई-सक्षम फ्लीट एवं ईंधन प्रबंधन प्रणाली और ई-नगर पालिका एकीकरण ढांचा प्रदर्शित किया जाएगा। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड होलोग्राफिक डिस्प्ले, महाकाल दर्शन अनुभव, इंटरैक्टिव डिजिटल कियोस्क और वीआर आधारित 360 डिग्री पर्यटन सहभागिता उपकरण प्रस्तुत करेगा, जो पर्यटन प्रोत्साहन के लिए उन्नत डिजिटल इंटरफेस को दर्शाते हैं। पैवेलियन में एमपीएसईडीसी की एआई पहलों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। ये पहलें संप्रभु एआई, स्टार्टअप इनक्यूबेशन, डिजिटल गवर्नेंस प्लेटफॉर्म और एआई, डीप-टेक, एवीजीसी-एक्सआर, हेल्थ-टेक, एग्री-टेक एवं औद्योगिक स्वचालन जैसे क्षेत्रों में निवेश प्रोत्साहन को रेखांकित करती हैं।भोपाल, इंदौर, ग्वालियर सहित अन्य नवाचार केंद्रों से स्टार्टअप्स उत्पादन-तैयार एआई समाधान प्रस्तुत करेंगे। इनमें संप्रभु एआई प्लेटफॉर्म, बहुभाषी डिजिटल अवतार, टेली-फिजियोथेरेपी उपकरण, वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए एआई एजेंट, औद्योगिक पूर्वानुमान एवं डिजिटल ट्विन, एआई आधारित कृषि समाधान, फसल निदान प्रणाली, रोबोटिक्स और जेनेरेटिव एआई आधारित सृजनात्मक तकनीक शामिल हैं। भारत मंडपम, नई दिल्ली में मध्यप्रदेश पैवेलियन में सार्वजनिक स्वास्थ्य, कृषि, औद्योगिक स्वचालन, शिक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों को समाहित करते हुए राज्य के समग्र एआई पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतिनिधित्व करेगा। इस पहल के माध्यम से प्रदेश एआई आधारित शासन एवं आर्थिक परिवर्तन की दिशा में अग्रसर होते हुए स्वयं को टियर-2 प्रौद्योगिकी नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित कर रहा है।

दक्षिण पन्ना वनमंडल की वल्चर फेंडली गौशालाओं में गिद्ध संरक्षण की दिशा में अनूठी पहल

भोपाल। दक्षिण पन्ना वनमंडल के अंतर्गत संचालित गौशालाएं अब पूर्णतः "वल्चर फेंडली" (गिद्ध-अनुकूल) स्वरूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रही हैं। पारिस्थितिकी तंत्र के सजग प्रहरी 'गिद्धों' के संरक्षण के प्रति अपनी कटिबद्धता दोहराते हुए इन गौशालाओं ने एक ऐसी आदर्श कार्यप्रणाली विकसित की है, जहाँ मवेशियों के उपचार और प्रबंधन में केवल पर्यावरण-अनुकूल विधियों का ही प्रयोग किया जा रहा है। वन विभाग के समन्वय से संचालित इस पहल के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि गौशाला परिसर में निवास करने वाली समस्त गायों और अन्य मवेशियों की देखरेख में गिद्धों के जीवन के लिए संकट पैदा करने वाली किसी भी गतिविधि को स्थान न मिले। इन "वल्चर फेंडली" गौशालाओं में गिद्धों के लिए घातक मानी जाने वाली दवाओं के उपयोग पर पूर्णतः अंकुश लगा दिया गया है। वर्ष 2008 से प्रतिबंधित डाइक्लोफेनेक के साथ-साथ हाल के वर्षों में प्रतिबंधित की गई औषधियाँ जैसे एसीक्लोफेनेक, केटोप्रोफेन और निमेसुलाइड का उपयोग यहाँ पूरी तरह वर्जित है। वर्तमान में इन केंद्रों पर चिकित्सीय आवश्यकता होने पर केवल गिद्ध-सुरक्षित दवाओं जैसे मेलोक्सिकैम और टोलफेनामिक एसिड को ही प्राथमिकता दी जा रही है। यह समस्त प्रक्रिया पंजीकृत पशु चिकित्सकों की कड़ी निगरानी में की जा रही है, जिससे मृत मवेशियों के अवशेषों में किसी भी प्रकार की हानिकारक दवाओं का अंश शेष न रहे और गिद्धों को सुरक्षित आहार उपलब्ध हो सके। संरक्षण की यह पहल केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान का रूप ले रही है।

राज्यपाल पटेल से मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने की सौजन्य भेंट

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने रविवार को लोकभवन में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल पटेल का तोमर ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। राज्यपाल पटेल को विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने 16 फ़रवरी से प्रारम्भ हो रहे विधानसभा के बजट सत्र के अभिभाषण के लिए आमंत्रित किया।

व्यापार मेलों जैसे आयोजनों से नगरीय निकायों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मिलती है मदद

सम्राट विक्रमादित्य की नगरी उज्जैनी बना रही है नए कीर्तिमान: मुख्यमंत्री मोहन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सभी क्षेत्रों में विकास के नए प्रतिमान स्थापित हो रहे हैं। उज्जैन में आयोजित विक्रमोत्सव और विक्रम व्यापार मेला इस तथ्य का परिचायक है। इन आयोजनों से नगर निगम सहित स्थानीय संस्थाओं की आय बढ़ाने ओर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को उज्जयिनी विक्रम व्यापार मेला-2026 का शुभारंभ उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज ग्राउंड पर दीप प्रज्ज्वलन कर किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य की नगरी अवंतिका विकास के नए कीर्तिमान बना रही है। व्यापार ,व्यवसाय में बाबा महाकाल की नगरी तेजी से प्रगति कर रही है। विक्रम व्यापार मेले का आयोजन तीसरी बार किया जा रहा है। व्यापार मेले से जिले और आस पास के क्षेत्र में आर्थिक प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि विक्रम व्यापार मेला वर्ष 2024 में 23,705 वाहनों की बिक्री पर लगभग 122 करोड़ की छूट प्रदान की गई थी, वर्ष 2025 में 36,225 वाहनों की बिक्री पर 187 करोड़ की छूट प्रदान की गई थी। बाबा महाकाल के प्रसाद के रूप में वाहन लेने वालों को छूट का पर्याप्त लाभ मिल रहा है। इस वर्ष नगर निगम को अभी तक 4 करोड़ 10 लाख रुपये की आय हो गई है। इस वर्ष विक्रम व्यापार मेले में फोर व्हीलर के 139 स्टाल, टू व्हीलर के 36 स्टाल,कार डेकोरेशन, सांची पार्लर सहित अन्य उपयोगी सामग्रियों के स्टाल लगाए गए हैं। बैंक्स तथा उद्योग व्यवसाय से जुड़े अन्य संस्थान भी मेले में उपस्थित हैं। व्यापार-व्यवसाय- उद्यमिता, कृषि आदि सहित सभी क्षेत्रों में यह उन्नति और प्रगति का काल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूरे प्रदेश में बाबा महादेव के देव स्थानों पर साज-सज्जा कर विक्रमोत्सव की शुरुआत की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व पर बाबा महाकाल की भक्ति का सैलाब आया हुआ है। यहां 30 मिनट में ही बाबा के दर्शन कर श्रद्धालु प्रसन्नता और संतोष के साथ वापस जा रहे है। राज्य सरकार यही व्यवस्था स्थापित करना चाहती थी। उज्जैन में पहली बार महाकाल वन मेला भी आयोजित किया गया है। जहां वन उत्पाद, वैद्यों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श भी प्रदान किया जा रहा है।

आशा है इस वर्ष के विक्रम व्यापार मेले में पिछले वर्षों के आय के सभी रिकॉर्ड टूटेंगे:मुख्यमंत्री मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आशा है इस वर्ष के विक्रम व्यापार मेले में पिछले वर्षों के आय के सभी रिकॉर्ड टूटेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का महापौर मुकेश टटवाल ने विक्रम व्यापार मेला की शुरुआत करने के लिए आभार माना। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष भी विक्रम व्यापार मेले से उज्जैन नगर निगम को करोड़ों का राजस्व मिला था। शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकेंद्र सिंह, जीतेश राठौर को फोर व्हीलर गाड़ी की चाबी प्रदान की। इस अवसर पर सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, ,नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, संजय अग्रवाल, रवि सोलंकी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कृषक ग्राम सभाओं में किसानों को दी जा रही है उन्नत खेती की जानकारी

मूंग के स्थान पर उड़द फसल को बढ़ावा देने कृषकों को दी गई समझाइश

विजय मत, भोपाल

राज्य शासन द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया गया है जिसके अंतर्गत किसानों और खेती को बढ़ावा देने संबंधी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों में कृषक ग्राम सभाएं आयोजित की गई। कृषक कल्याण से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों और वैज्ञानिकों द्वारा गाँव-गाँव पहुंचकर किसानों को खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए उन्नत खेती की जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में शिवपुरी जिले के पिपरसमां, ठेह, टोंगरा, सोहारा, महेदावली एवं कुशियारा में कृषक सभाओं का आयोजन किया गया। कृषकों को नरवाई

प्रबंधन की तकनीकों की जानकारी दी गई तथा स्ट्रारीपर कृषि यंत्र से गेहूं फसल की कटाई के बाद शेष नरवाई से भूसा तैयार करने की विधि समझाई गई। कृषि वैज्ञानिकों ने कृषकों को सलाह दी कि वे ग्रीष्मकालीन मूंग के स्थान पर उड़द एवं मूंगफली फसल का उत्पादन करें, जिससे बेहतर उत्पादन एवं आय में वृद्धि संभव हो सकेगी।

कृषि रथ एवं चौपालों के माध्यम से लाई जा रही जागरूकता

कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत गाँव-गाँव में कृषि रथ पहुंच रहे हैं। इनके माध्यम से किसानों को फसल लागत घटाने की जानकारी दी जा रही है। चौपालों के माध्यम से शासन द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं, कार्यों एवं सुविधाओं की जानकारी किसानों तक पहुँचाई जा रही है, साथ ही प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए भी किसानों को निरंतर प्रेरित किया जा रहा है। कृषि रथ गाँव-गाँव भ्रमण कर किसानों को शासन की किसान हितैषी योजनाओं, नवीन कृषि तकनीकियों तथा आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी प्रदान कर रहा है। रथ के माध्यम से किसानों को ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, ग्रीष्मकालीन फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी, कीट एवं रोग प्रबंधन, फसल विविधिकरण, पराली प्रबंधन आदि की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने ढेरा में विश्वेश्वरनाथ मंदिर में किया भगवान शिव का अभिषेक

विजय मत, भोपाल

महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने गृह ग्राम ढेरा में विश्वेश्वरनाथ मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया। उप मुख्यमंत्री ने भगवान शिव की विधिवत पूजा अर्चना और हवन किया प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की।

शिव की बारात में हुये शामिल

महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान भोलेनाथ की बारात में निकाली गयी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बैजूधर्मशाला पहुंचकर शिव की बारात में शामिल हुये। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने इस अवसर पर पूजा-अर्चना करके विन्ध्य क्षेत्र और पूरे प्रदेश की खुशहाली की कामना की तथा आमजनों को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र में देश के सबसे प्राचीनतम शिव मंदिर स्थित हैं। रीवा में महामृत्युंजय मंदिर, देवतालाब शिव मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, गुढ़ में कष्टहरनाथ शिव मंदिर, बिरसिंहपुर में गैवीनाथ शिव मंदिर में हजारों भक्त प्रतिदिन श्रद्धापूर्वक भजन पूजन करते हैं। भगवान शिव के आशीर्वाद से ही क्षेत्र का विकास हो रहा है। रीवा में शिव बारात आयोजन समिति पिछले

कई वर्षों से महाशिवरात्रि पर भव्य शिव बारात का आयोजन कर रही है। हजारों लोगों का इसमें शामिल होना आयोजन की सफलता का प्रमाण है। भगवान शिव हम सब पर अपनी कृपा सदैव बनाये रखें। शिव की बारात बैजूधर्म शाला से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुई पचमठा धाम पहुंची। शिव की बारात में धर्मध्वजा आगे-आगे चली। बरात में सहनाई, नगरिया, ढोल, नगाड़े जैसे पारंपारिक वद्यंत्रो से मधुर धुने बजाई गयी। बारात में घोड़ा, बग्घी विभिन्न भगवान की झाकियाँ सहित हजारों भक्तगण शामिल रहे। बारात के लिए पुलिस ने सुरक्षा और यातायात के विशेष प्रबंध किये। बारात का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। शिव बारात में भगवान राम, महाकाल और भैरव की झांकी आकर्षण का केन्द्र रही।

मध्यप्रदेश में कार्यकर्ताओं ने भाजपा संगठन को बुलंदी तक पहुंचाया: नरेन्द्र सिंह तोमर

जनप्रतिनिधियों ने कहा-मध्यप्रदेश की बेहतर योजनाओं व नवाचारों को केरल में करेंगे लागू

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के ''भाजपा फॉर विकसित केरलम'' कार्यक्रम के तहत केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों का मध्यप्रदेश के दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन रविवार को भोपाल में 11 सदस्यीय और ग्वालियर में 13 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर योजनाओं का अवलोकन किया। भोपाल के प्रतिनिधि मंडल ने लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल मंगुभाई पटेल से भी मुलाकात कर संवाद किया। मध्यप्रदेश विधानसभा का भ्रमण करने पहुंचे जनप्रतिनिधियों से विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने मध्यप्रदेश के संगठन को बुलंदी तक पहुंचाया है। नगरीय विकास विभाग की योजनाओं का भ्रमण और अवलोकन के पश्चात् जनप्रतिनिधियों ने कहा कि मध्यप्रदेश में नगरीय विकास की कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। योजनाओं और नवाचारों को बारीकी से समझा और देखा है। केरल के निकायों में भी ऐसी योजनाओं को लागू

कराया जाएगा।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मिली केरल में भाजपा को विजय: केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान भोपाल और ग्वालियर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए स्वागत और सम्मान से अभिभूत नजर आए। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात निश्चित हुई, तब विश्वास नहीं हो रहा था कि हम जैसे सामान्य कार्यकर्ता सीधे प्रधानमंत्री से मिल सकते हैं। जब मध्यप्रदेश के भोपाल व ग्वालियर का प्रवास कार्यक्रम निर्धारित हुआ, तब किसी ने नहीं सोचा था कि मध्यप्रदेश के पार्टी कार्यकर्ता हम लोगों का इतना सम्मान व स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि केरल में भाजपा को पिछले कई वर्षों बाद निकाय चुनावों में बड़ी जीत मिली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने अथक परिश्रम किया और आज केरल के कई निकायों में भाजपा का परचम लहरा रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने केरल में कांग्रेस और सीपीएम को परास्त कर दोनों पार्टियों का भ्रम एक साथ तोड़ दिया है।

मध्यप्रदेश देश का आदर्श राज्य है - नरेन्द्र सिंह तोमर

मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश देश के उत्कृष्ट और समृद्ध राज्यों में से एक है। मध्यप्रदेश में जनसंघ के समय से भाजपा का संगठन मजबूत स्थिति में है और आज यह संगठन अपनी कार्यकुशलता और जनसेवा के लिए पूरे देश में आदर्श बना हुआ है।

संभावना गतिविधि में नृत्य एवं गायन प्रस्तुति हुई

विजय मत, भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि संभावना का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 15 फरवरी, 2026 को घनश्याम पटेल एवं साथी-दमोह द्वारा सैरा नृत्य, सेवती धुर्वे एवं साथी - डिण्डोरी द्वारा गोण्ड करमा नृत्य, आनंदीलाल कुर्मी एवं साथी-भोपाल द्वारा तंबूरा भजन, मीना गौड़ एवं साथी-सागर द्वारा बुन्देली लोकगायन की प्रस्तुति दी गई। गतिविधि में मीना गौड़ एवं साथी-सागर द्वारा बुन्देली लोकगायन में लमटेरा, चौकड़िया गायन और चटकोरी गायन की प्रस्तुति दी गई।

तंबूरा भजन: तंबूरा गायन विधा है जिसमें प्रभु के भजन गाए जाते थे। उसके बाद धीरे-धीरे से बदलाव आया और बदलाव में हर समय हर युग में से गाया गया। इस तंबूरा भजन में कबीर के गीत ही नहीं इसके पहले ही भगवान राम के विवाह के गीत के समय भी तंबूरा भजन का गायन किया जाता था। इसके साथ ही भगवान शिव और श्रीकृष्ण की महिमा भी गाई गई।

ट्रांसमिशन लाइन के प्रतिबंधित कॉरिडोर में मानव जीवन के लिए घातक निर्माण हटाए

एमपी ट्रांसको ने की कार्रवाई

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी) ने 132 केवी छतरपुर-बिजावर एवं 132 केवी छतरपुर-नौगांव ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित क्षेत्र में किए गए अवैध एवं जोखिमपूर्ण निर्माणों को हटवाकर जन-सुरक्षा सुनिश्चित की है। एम पी ट्रांसको के मुख्य अभियंता डी.के. अग्रवाल ने बताया कि छतरपुर के संध्या विहार एवं शटई रोड क्षेत्र के समीप ट्रांसमिशन लाइन के लोकेशन क्रमांक 92 एवं 93 के मध्य कुछ व्यक्तियों द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र में गैर कानूनी रुप से भवन निर्माण किया गया था और कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य किया जा रहा था।

नोटिस दे कर किया गया था आगाह

एमपी ट्रांसको द्वारा संबंधित व्यक्तियों को पूर्व में विधिवत नोटिस जारी कर समझाइश दी गई थी कि ट्रांसमिशन लाइन के निकट निर्माण करना विद्युत आघात जैसी गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। चेतावनी के बावजूद निर्माण नहीं हटाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए तीन व्यक्तियों में राजेश साहू, डी.डी. अहीरवाल एवं घनश्याम पाल—के निर्माण स्थलों से लोहे की सरिया एवं टीन की चादरें हटवाई गईं तथा ईंट की दीवारों को आंशिक रूप से ध्वस्त कर सुरक्षित दूरी सुनिश्चित की गई।

महाशिवरात्रि के पर्व पर दादाजी धाम मंदिर में विविध धार्मिक आयोजन संपन्न

विजय मत, भोपाल

जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल पर महाशिवरात्रि पर्व पर सायं 5ः00 बजे मंदिर प्रांगण से रथ, डीजे एवं ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य शिव बारात निकाली गई। यह शिव बारात वर्धमान सिटी एवं पटेल नगर क्षेत्र से होकर निकली, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुजन सम्मिलित हुए। भक्तों ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हुए नृत्य एवं भक्ति भाव से शिव बारात में सहभागिता की। इस अवसर पर भगवान शिव एवं माता पार्वती का विशेष एवं दिव्य श्रृंगार किया गया तथा संपूर्ण मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा से

सुसज्जित किया गया। महाशिवरात्रि की पावन रात्रि में चारों प्रहर विशेष अभिषेक संपन्न हुए। रात्रि 8ः00 बजे से विश्व जनकल्याण, अमन-शांति एवं सुख-समृद्धि की मंगल कामना के साथ भगवान शिव का सामूहिक रुद्राभिषेक विधि-विधान से कराया गया। धर्मप्रेमी नागरिकों ने सपरिवार पधारकर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु मंदिर के पट पूरे दिन खुले रहें।

जवानो को ड्रोन तकनीक में ट्रैंड करेगा पुलिस संचार विभाग

विजय मत, भोपाल

एमपी पुलिस आधुनिक तकनीक की दिशा में पुलिस संचार विभाग अपने कर्मियों को ड्रोन तकनीक में प्रशिक्षित करेगा, ताकि ड्रोन का संचालन सुरक्षित, कानूनी और प्रभावी ढंग से किया जा सके। इसका उद्देश्य तकनीकी दक्षता के साथ इसे लेकर सुरक्षा-जोखिम कम करना और कृषि से लेकर आपदा प्रबंधन तक ड्रोन की उपयोगिता को मजबूत बनाना है। जानकारी के अनुसार इसके लिये इंदौर स्थित पुलिस रेडियो प्रशिक्षण संस्थान प्रदेश पुलिस का पहला रीमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (आरपीटीओ) बनाने की तैयारी में है। यहां एक बैच में 20 पायलटों को ट्रैनिंग दी जा सकेगी यह प्रशिक्षण डीजीसीए के दिशा-निर्देशों के अनुरूप होगा और इसमें अलग-अलग प्रकार के ड्रोन के साथ व्यावहारिक अभ्यास शामिल रहेगा। बताया जाता है, कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य भविष्य के लिए कार्यबल तैयार करना, भारत को वैश्विक ड्रोन हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में योगदान देना और इसके जरिए रोजगार और उद्यमिता के अवसर को भी बढ़ावा देना माना जा रहा है। आपदा प्रबंधन या आपातकालीन सेवाओं से जुड़े पुलिसकर्मियों और सरकारी अधिकारियों के लिए यह प्रशिक्षण बिना शुल्क लिए करवाया जाएगा। इसमें प्रशिक्षित कर्मी 100 किलोमीटर तक ड्रोन उड़ाने और छह घंटे से अधिक समय तक संचालन करने में सक्षम होंगे।

केरल के पार्षदगण ने स्वच्छता एवं जलप्रदाय व्यवस्था का किया अवलोकन

कचरा कैफे और 5 एम.जी.डी. जलशोधन संयंत्र की कार्यपद्धति को भी समझा

विजय मत, भोपाल

विकसित केरलम कार्यक्रम के तहत राजधानी भोपाल में दो दिवसीय प्रवास पर आए केरल के विभिन्न नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों ने भोपाल नगर निगम, द्वारा संचालित स्वच्छता की विभिन्न गतिविधियों एवं जलापूर्ति व्यवस्था का अवलोकन किया। प्रतिनिधि मंडल ने मनुआभान टेकरा स्थित 05 एम.जी.डी क्षमता के जलशोधन संयंत्र एवं अरेरा कालोनी 10 नंबर स्थित कचरा कैफे की कार्यपद्धति के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की और इनकी कार्यप्रणाली को समझा। राजधानी की

ऐतिहासिक बड़ी झील में केरल के दल के सदस्यों ने नौका विहार का आनन्द लिया और भोपाल की झीलों, शैल-शिखरों सहित शहर की सुंदरता की सराहना भी की।

भोपाल के दो दिवसीय प्रवास पर आए केरल के प्रतिनिधि

राजधानी भोपाल के दो दिवसीय प्रवास पर आए केरल के प्रतिनिधि मंडल में पारालम की ग्राम पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनिता, पुंजर ठेकेकारा ग्राम पंचायत के अध्यक्ष मिनर्वामोहन, मुदक्कल ग्राम पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शाईनी वी, थिरूविलवामाला ग्राम पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती शीला पानीकर, कोझीकोण नगर निगम के पार्षद टी. रिनीश, वालाचिरा नगरीय निकाय की श्रीमती सुजीता के.एस., कोंडाझी ग्राम पंचायत में संसदीय दल के नेता शशि कुमार एम.पी., कोडिनगिल्लूर नगरीय निकाय के सजीवन टी.एस., वैकम नगरीय निकाय के महेश एम.के., नेडूमगादू की पार्षद श्रीमती बीना आर.सी. तथा कड़कामपल्ली की पार्षद श्रीमती जया राजीव सम्मिलित हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-01, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आरर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई. क्रमांक- MPHIN/2015/66998, e-mail vijaymat.sdl@gmail.com। मोबाइल- +91 88899 77997